आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 25 नवंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 25

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

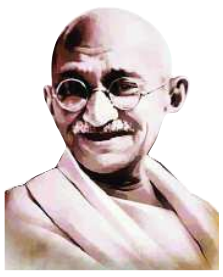

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

कल सीएम गौतमपुरा में, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

पेज-2

अभिनेता धर्मेंद्र की एक साल में 9 हिट फिल्में

पेज-5

आईडीए संपदा शाखा का उजागर एक और खेला

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- संसद के शीतकालीन सत्र से पहले 30 नवंबर को ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाएंगे रिजिजू
- अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो, राम मंदिर के शिखर पर फहराएंगे ध्वज
- इथियोपिया ज्वालामुखी से आया राख का बादल आज आसमान से साफ होगा-आईएमडी
- दर्शन के लिए ईश्वरीय इच्छा ही मार्ग बनाती है, वही बुलाती है- अखिलेश यादव
- अफगानिस्तान : कंधार-पक्तिका में एरियल अटैक, खोस्त में पाकिस्तानी सेना का घुसपैठ, 9 बच्चों समेत 10 मृत
- ट्रंप-जेलेंस्की मुलाकात पर व्हाइट हाउस ने कहा - इस सप्ताह बैठक नहीं
- कोलकाता : सुंदरबन में आज से राष्ट्रीय बाघ गणना सर्वे होगा शुरू
- सुप्रीम कोर्ट आज सुनेगा बीजेपी असम के एआई-वीडियो पर याचिका, फर्जी नैरेटिव का आरोप

विश्व धरोहर सप्ताह : मध्ययुगीन हवेली 'कांच मंदिर'

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। कांच मंदिर, जिसका शाब्दिक अर्थ है कांच का मंदिर, इंदौर का एक प्रसिद्ध जैन मंदिर है, जिसका निर्माण सर सेठ हुकुमचंद जैन ने करवाया था। इसका निर्माण लगभग 1903 में शुरू हुआ था। सर सेठ हुकुमचंद जैन एक प्रमुख व्यापारी और भारत के औद्योगिक अग्रदूतों में से एक थे। उन्होंने इतवारिया बाज़ार में शीश महल नामक एक हवेली और उसके बगल में कांच का मंदिर बनवाया, दोनों ही सफ़ेद पत्थर से सुंदर ढंग से निर्मित हैं। बाहरी रूप से, यह मंदिर एक मध्ययुगीन हवेली के रूप में बना है जिसमें एक छत्रयुक्त बालकनी और एक शिखर है। कांच के मंदिर का आंतरिक भाग पूरी तरह से कांच के पैनलों और मोज़ाइक से ढका हुआ है; जिसमें फर्श, स्तंभ, दीवारें और छतें शामिल हैं। सेठ हुकुमचंद ने मंदिर पर काम करने के लिए जयपुर और कुछ ईरान से भी कारीगरों को काम पर रखा था। मुख्य गर्भगृह में तीर्थंकरों की मूर्तियों के दोनों ओर दर्पण लगे हैं, इस प्रकार उनकी छवियां अनंत बार देखी जा सकती हैं।

कलेक्ट्रेट में दलालों की एंट्री पर कलेक्टर की सख्ती

मुझे पता है किसके कमरे में कौन सा दलाल आता है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर कार्यालय में दलालों की मौजूदगी को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा ने सख्ती दिखाई है और उनके खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि अगर उनके कमरे में दलाल पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, दलालों की पहचान कर उन्हें कार्यालय से हटाने के अभियान चलाया जाएगा।

कलेक्टर ने कहा कि उन्हें तहसीलदार कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, खनिज विभाग, कॉलोनी सेल जैसे महत्वपूर्ण विभागों में दलाली करने वालों की शिकायत लगातार मिल रही

है। उन्होंने साफ कहा कि अगर किसी अधिकारी के कमरे में दलाल दिखाई दिए तो कार्रवाई की जाएगी। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने राजस्व सहित सभी विभाग के अधिकारियों को दलालों के खिलाफ सख्त चेतावनी दी है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि उन्हें पता है कि कौन से दलाल किसके कमरे में आते-जाते हैं। उन्होंने अधिकारियों से आम लोगों के काम बिना दलालों के करने को कहा।

मास्टर प्लान की सड़क : जनता तोड़फोड़ से चिंता में, नेता को वोटबैंक खिसकने का डर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम द्वारा मास्टर प्लान की 22 में से केवल 2 सड़कों के लिए अब तक तोड़फोड़ की गई है। इन सड़कों के लिए शहरभर के विभिन्न इलाकों में करीब 2 हजार से ज्यादा दुकान-मकानों में जमकर तोड़-फोड़ होना है और इनमें से कई तो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगे। इन सड़के निर्माण कार्य जब तक पूरा होगा, नगर निगम और इसके बाद विधानसभा के चुनाव होना है।

ऐसा में यह तय है कि शहरभर खासकर पुराने इंदौर में जो तोड़-फोड़ होगी, इससे सत्ताधारी पार्टी का वोट बैंक हिल सकता है। यही कारण है कि बड़े पैमाने पर होने

फाइल फोटो

वाली तोड़-फोड़ से नेताओं में डर है और न खुलकर इसका समर्थन कर पा रहे हैं और न ही विरोध। इन सड़कों के लिए कोई बहाना इसलिए नहीं चल सकता, क्योंकि नगर निगम के खाते में पहले से ही 468 करोड़ रुपए आ चुके हैं। 400 से अधिक दुकान-मकान टूट चुके हैं। दो मास्टर सड़कों की शुरुआत में सबसे बड़ी कार्रवाई मालवीय नगर में हाल में हुई है, जहां 250 से ज्यादा मकान-दुकानों पर निगम का बुलडोजर चला है। वहीं खजराना में बन रही सड़क के लिए अब तक 150 से ज्यादा लोगों ने अपनी मकान-दुकान को स्वयं ही हटा लिया है, इस कारण यहां हल्ला नहीं मचा, लेकिन आगे जब सड़क बढेगी और रिंग रोड चौराहा तक जाएगी, तो सैकड़ों की संख्या में मकान-दुकान टूटना तय हैं। इनमें से एक हिस्से में जहां कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा का वोट बैंक, जो काफी मजबूत है परंपरागत है।

संघ विरोधी दिग्विजय अब कांग्रेस को संघ से ही सीखने की सलाह दे रहे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिग्विजय सिंह की इंदौर यात्रा के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को चुनाव कैसे होते हैं, एसआईआर में कैसे फार्म भरना है, बीएलए नियुक्ति कैसे होती है। इन सभी पर भी जमकर क्लास ली। इस बैठक में आरएसएस (संघ) से आंदोलन कैसे करने हैं इसकी सीख दी गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी आंदोलन करते हैं तो उनकी फोटो बीजेपी ले लेती है। उन पर कार्रवाई हो जाती है। इसलिए कैसे आंदोलन करना है यह आरएसएस से सीखो। वह घर-घर जाते हैं और कान में फुसफुसाते हैं। यही करना है, घर जाना है और मतदाताओं के पास फुसफुसाना है। महिलाओं को अपने साथ जोड़ना है। ऐसे में कहीं जाओ तो अपने साथ पत्नी को भी लेकर जाओ।

चुनाव कार्यक्रमों पर जमकर ली क्लास-इसके साथ ही उन्होंने उन्होंने कार्यकर्ताओं और नेताओं से सवाल भी किए। सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग की साइट पर जाओ, पढ़ो, फार्म देखो। आजकल सब कुछ ऑनलाइन है। बीजेपी हमसे बहुत आगे निकल चुकी है। वह पीएचडी कर चुकी है, हम अभी हाईस्कूल में ही हैं।

4% वोट करना है शिफ्ट-सिंह ने कहा कि हम 22 साल से मध्य प्रदेश में विपक्ष में हैं। मेरी इच्छा है कि हम सत्ता में आएं। मैंने अपने जीवन में सब कुछ देख लिया है। सत्ता में आने के लिए जरूरी है 4 प्रतिशत वोट, उनको शिफ्ट करके हमें अपनी ओर लाना है। हमारा वोट बैंक कम नहीं हुआ है मध्य प्रदेश में। बस हमें फिर इन वोट की शिफ्टिंग करनी है। इससे हम सत्ता में आ जाएंगे।

फिर दिखी एजेंसी की लापरवाही

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमटीएच हॉस्पिटल में सुरक्षा के नाम पर इजाइल फोर्स प्राइवेट लिमिटेड के गार्डों की दबंगई खुलकर सामने आ गई है। अस्पताल में अपनी पत्नी के साथ बच्चे को वैक्सीन लगवाने पहुंचे एक व्यक्ति के साथ गार्ड ने बेरहमी से मारपीट कर दी। परिजन इलाज के लिए अस्पताल आए थे, लेकिन सुरक्षा गार्ड की गुंडागर्दी ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बताया जा रहा है कि मामूली बात पर गार्ड ने पहले अभद्रता की और फिर हाथापाई करते हुए मारपीट कर दी। घटना की शिकायत मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित गार्ड को गिरफ्तार कर थाने में बंद कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने भी घटना को गंभीर मानते हुए इजाइल फोर्स प्राइवेट लिमिटेड की तैनाती और उनके गार्डों के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। एजेंसी पर आरोप है कि बिना उचित ट्रेनिंग और बिना वेरिफिकेशन के गार्डों को अस्पताल में तैनात किया जा रहा है, जिससे मरीजों और परिजनों की सुरक्षा पर सीधा खतरा पैदा हो रहा है।

प्रदेश में ढाई महीने बाद फिर से प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक साल की मिली सेवावृद्धि के ढाई माह बाद फिर प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी है। सितंबर में 75 से अधिक आईएएस इधर से उधर हुए थे। उम्मीद है कि नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में या फिर विधानसभा सत्र के बाद बदलाव होगा। लिस्ट तैयार करने को लेकर पिछले डेढ़ माह से मंथन चल रहा है। इसमें एक दर्जन जिलों के कलेक्टर, एक संभाग आयुक्त, तीस से ज्यादा विभागीय आयुक्त और प्रबंध संचालक, आठ से दस सचिव स्तर के और दो दर्जन प्रमुख सचिव व अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों के नामों पर मंथन किया गया है। शासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती वरिष्ठ स्तर पर विभागों के संतुलन बनाए रखने को लेकर है। प्रदेश के चार जिलों में दो साल से कलेक्टरी कर रहे चार अफसर हैं। धार के प्रियंक मिश्रा ने तीन साल पूरे कर लिए हैं। जबकि प्रतिभा पाल रीवा, रविन्द्र चौधरी शिवपुरी और रानी वाटड को मैहर में दो साल हो गए हैं।

राजवाड़ा-टू-रेसीडेंसी

अरविंद तिवारी

फिलहाल तो 'सरकार' फुलफार्म में है

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने मध्यप्रदेश की सियासत को गरमा दिया है। नतीजों के बाद मध्यप्रदेश में 'सरकार' की विदाई की बाट जोह रहे कई दिग्गजों को अब अपनी चिंता होने लगी है। निकट भविष्य में मंत्रिमंडल का फेरबदल तय है और इस फेरबदल में 'सरकार' हिसाब बराबर करने की स्टाइल में रहे तो चौंकने की जरूरत नहीं है। जो लोग उनके मिजाज को जानते हैं, वे यह कहने से नहीं चूक रहे हैं कि 'सरकार' को हल्का समझने वाले मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान या तो खुद हल्के हो जाएंगे या फिर भूतपूर्व की श्रेणी में आ जाएंगे। देखते हैं कौन किस पर भारी पड़ता है। फिलहाल तो 'सरकार' फुलफार्म में है।

ठाकुर के हाथ फिर बंध गए हैं

सालों पहले इंदौर में ही तब के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि ठाकुर के हाथ बंधे हुए हैं। लगभग 20 साल बाद फिर ऐसी स्थिति बनती नजर आई है। चार मुख्यमंत्रियों के साथ काम कर चुके विजयवर्गीय इस बार बहुत ही असहाय नजर आ रहे हैं। परेशानी तो उन्होंने बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते भी महसूस की थी, लेकिन इस बार जो स्थिति है, उसमें वे ज्यादा परेशान नजर आ रहे हैं। हालात कुछ ऐसे हैं कि न निकलते बन रहा और न उगलते बन रहा है। खुद के विभाग में भी वे असहज हैं और मुख्यमंत्री के प्रभार के जिले इंदौर में अपनी मजबूती दिखाने के लिए कुछ तो सक्रियता दिखाना पड़ रही है।

प्रभारी मुख्यमंत्री, फिर भी नुकसान में इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के प्रभारी हैं और जिस हिसाब से उनका इंदौर आना-जाना लगा रहता है, उससे तो ऐसा लगता है कि उज्जैन की बजाय इंदौर उन्हें ज्यादा रास आ रहा है। इधर, इंदौर की अपनी व्यथा है, प्रभारी तो मुख्यमंत्री हैं, पर शहर से जुड़े मामलों में गाड़ी पटरी से नीचे उतरती जा रही है। महीनों से जिला योजना समिति की बैठक नहीं हुई, सालभर से मेट्रो का मामला उलझा हुआ है। स्मार्ट सिटी के काम पैसे के अभाव में ठप्प पड़े हुए हैं। दो कैबिनेट मंत्री इसलिए इंदौर के मामलों में ज्यादा दखल नहीं देते क्योंकि मामला मुख्यमंत्री के प्रभार के जिले का है। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री के प्रभारी होने के बावजूद इंदौर तो नुकसान में ही है।

सिंधिया : दिल्ली में असीमित - मध्यप्रदेश में सीमित

दिल्ली में जबरदस्त सक्रियता के बीच मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा अपना दायरा सीमित करने की इन दिनों भारतीय जनता पार्टी में बड़ी चर्चा है। कभी पूरे प्रदेश में सक्रिय रहने वाले सिंधिया इन दिनों गुना, शिवपुरी और अशोकनगर तक ही सीमित हैं। ग्वालियर में उनकी सक्रियता कभी-कभार रहती है। आखिर ऐसा क्यों? दरअसल कांग्रेस से भाजपा में आए सिंधिया के पीछे भाजपा के कुछ दिग्गज हाथ धोकर पड़ गए हैं। इन नेताओं ने दिल्ली और भोपाल को यह जंचा दिया है कि यदि सिंधिया मध्यप्रदेश में ज्यादा सक्रिय रहे तो इसका नुकसान सरकार को उठाना पड़ सकता है। यही जंचत सिंधिया को भारी पड़ रही है और ज्यादा नुकसान से बचने के लिए वे इन दिनों मध्यप्रदेश के बजाय दिल्ली में ज्यादा सक्रिय हैं।

पचमढ़ी में पटवारी की खिलाफत

कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के पचमढ़ी में 10 दिनी समागम ने मध्यप्रदेश के कुछ नेताओं की महीनों पुरानी मुराद पूरी कर दी। ये नेता कई दिनों से राहुल गांधी से मिलने का समय मांग रहे थे, पर मौका नहीं मिल रहा था। जिलाध्यक्षों से रूबरू होने जब राहुल पचमढ़ी पहुंचे और समय मिलने पर वरिष्ठ नेताओं से मिले तो ज्यादातर ने मन की बात कह ही दी। इसका लब्बोलुआब यह था कि हमारी तो सुनते नहीं, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं को दरकिनार कर दिया, पुराने नेताओं को साईड लाइन कर रहे हैं। राहुल ने सबको तसल्ली से सुना पर बोले कुछ नहीं। पटवारी इस सबसे बेफिक्र से हैं और उनके समर्थक कह रहे हैं कि यह सब दिल्ली के इशारे पर हो रहा है।

मप्र वापस आएंगे यादव

इंदौर में एसपी रहे अंशुमान यादव सीआरपीएफ में सात साल की प्रतिनियुक्ति पूरी करने के बाद इसी साल मध्यप्रदेश लौट आएंगे। सीआरपीएफ में रहते हुए वीवीआईपी सिक्युरिटी के प्रभारी रहे यादव की गिनती उन अफसरों में होती है, जो नियम-कायदे के पक्के हैं और सीधे काम से वास्ता रखते हैं। कामकाज की उनकी शैली जितनी शिवराजसिंह चौहान को पसंद थी, उतनी ही कमलनाथ को। यही कारण है कि चौहान के दौर में वे इंदौर सहित चार जिलों के एसपी रहे और कमलनाथ के दौर में रीवा और ग्वालियर के आईजी। अब एडीजीपी के रूप में उन्हें क्या भूमिका मिलती है, उस पर सबकी नजर है।

नया नियम करवाएगा देउस्कर की वापसी

मध्यप्रदेश काडर के शांत, सौम्य और शालीन आईपीएस अफसर मकरंद देउस्कर अगले साल मध्यप्रदेश वापस आ सकते हैं। दो साल पहले इंदौर में पुलिस कमिश्नर रहते हुए ही वे बीएसएफ में प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली गए थे। राजस्थान और आसाम में कुछ महीने बिताने के बाद उन्हें बीएसएफ ने बहुत अहम माने जाने वाले आईजी (कार्मिक) के पद

पर पदस्थ किया गया। पूरे पांच साल दिल्ली रहने के मूड से गए देउस्कर को केंद्र सरकार के एक नए नियम के चलते समय पूरा होने के पहले ही मध्यप्रदेश आना पड़ सकता है। नया नियम यह है कि जिस भी अफसर ने एसपी या डीआईजी के रूप में पहले दिल्ली में काम नहीं किया है, उनका एडीजी पद पर इम्पेनलमेंट वर्तमान पद पर तीन साल पूरा होने के बाद ही हो पाएगा। अब भला एडीजीपी बन चुका कोई अफसर भला आईजी क्यों रहना पसंद करेगा।

पुछल्ला

18 नवंबर को कमलनाथ के जन्मदिन पर बधाई देने भोपाल पहुंचे कांग्रेस के नेता प्रवीण कक्कड़ को ज्यादा सक्रिय न देख चौंक गए। उनकी मौजूदगी लगभग गैर-मौजूदगी जैसी ही दर्ज हुई।

चलते-चलते

मध्य प्रदेश के कई आईएएस अफसर प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जाने की कतार में है। देखते हैं मौका किसको मिलता है।

अब बात मीडिया की

- नई दुनिया के राज्य संपादक सतगुरु शरण अवस्थी और दैनिक जागरण बनारस के संपादक संजय मिश्रा अब समधी हो गए हैं। अवस्थी के बेटे का विवाह मिश्रा की बिटिया के साथ पिछले दिनों लखनऊ में संपन्न हुआ।
- भास्कर डिजिटल में अलग-अलग स्तर पर बड़े बदलाव की सूचना है। इसमें इंदौर के कुछ रिपोर्टर भी प्रभावित हो सकते हैं। भास्कर इन दिनों अपने डिजिटल सेक्शन पर बहुत फोकस कर रहा है।
- द सूत्र में कुछ समय रिपोर्टर की भूमिका में रहे विश्वनाथ सिंह पीपुल्स समाचार में रिपोर्टर की भूमिका में आ गए हैं। उनके साथ ही द सूत्र ज्वाइन करने वाली रीना शर्मा इन दिनों अग्निबाण में सेवाएं दे रही हैं।
- वरिष्ठ पत्रकार हेमंत उपाध्याय के सेवानिवृत्त होने के बाद अभी तक डिजिटल सेक्शन में सेवाएं दे रहे वरिष्ठ साथी अरविंद दुबे अब नईदुनिया इंदौर में इनपुट हेड की भूमिका में आ गए हैं।
- मुख्यमंत्री के बड़े भाई नंदलाल यादव उज्जैन प्रेस क्लब के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए।

इंदौर की कुछ खास खबरें... एक नजर में!

● इंदौर की बहू बनने जा रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुछाल की शादी जहां स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की बिगड़ी तबीयत के चलते टल गई, तो अब खबर है कि पलाश मुछाल की भी तबीयत बिगड़ने के चलते उन्हें भी अस्पताल ले जाना पड़ा... इसके बाद सोशल मीडिया से इन दोनों की शादी से जुड़ी रस्मों की कुछ फोटो-वीडियो भी हटा दिए गए... हालांकि पलाश को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई..!

● कनाड़िया पुलिस को वृंदा रेसीडेंसी लिंबोदी निवासी हर्ष कुमार वर्मा ने शिकायत की है कि कमल पुत्र राममिलन लोधी, रविकांत पिता भागीरथ प्रसाद तिवारी और राहुल पिता नंदलाल चडार ने फर्जी दस्तावे तैयार कर नगर निगम से लाइसेंस लिया और इसके बाद अलग-अलग बैंकों से लोन भी ले लिया... पुलिस ने तीनों पर एफआईआर की दर्ज..!

● इंदौर में हो रहे एसआईआर सर्वे को लेकर चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है... कुछ महिला बीएलओ ने जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस की महिला हेल्पलाइन में शिकायत की है कि हमारे मोबाइल नंबर फॉर्म में दर्ज होने के चलते मनचले उनसे अश्लील बातें कर रहे हैं... इन सबसे तंग आकर अनेक महिला बीएलओ को अपने मोबाइल तक बंद करना पड़े... माध्यमिक स्कूल की एक शिक्षिका को ही एक युवक ने तीन दिन तक अलग-अलग नम्बरों से फोन लगाकर परेशान किया..!

● इंदौर की डॉ. रोहिणी घावरी अपने पूर्व कथित प्रेमी और उत्तरप्रदेश के सांसद चंद्रशेखर आजाद 'रावण' को लगातार घेर रही हैं... अब उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि वे चंद्रसेखर के मंच पर पुलिस सहित पहुंचेगी और पुलिस भी मुझे सुरक्षा देगी... बस 26 नवम्बर, संविधान दिवस का इंतजार कीजिए..!

तेरह हजार पेंशनरों ने जमा किए जीवन प्रमाण-पत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के आदेश एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान के मार्गदर्शन में बिजली कंपनी ने पेंशनरों के जीवन प्रमाण पत्र अर्जित करने के लिए अभियान संचालित किया। नवंबर के तीसरे सप्ताह तक कंपनी क्षेत्र के तेरह हजार पेंशनरों के जीवन प्रमाण पत्र, ऑन लाइन एवं ऑफ लाइन तरीके से प्रस्तुत कर दिए है। इन तेरह हजार पेंशनरों को एक दिसंबर को देय पेंशन समय पर जारी कर दी जाएगी। कंपनी के संयुक्त सचिव संजय मालवीय ने बताया कि फेस एप के माध्यम से करीब तीन हजार पेंशनरों ने जीवन प्रमाण पत्र जमा कराए है। इसके साथ ही इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, मंदसौर, धार, खरगोन, खंडवा पेंशन लेखाधिकारी के माध्यम से भी जीवन प्रमाण पत्र प्राप्त किए गए।

अवैध मदिरा के साथ पेशेवर गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल, उड़नदस्ता प्रभारी कमलेश सोलंकी, एडीईओ जय सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में वृत्त सांवेर वृत प्रभारी त्रिअंबिका शर्मा ने मुखबिर की सूचना पर अपनी टीम के साथ चामुंडा माता मंदिर के पास दबिश देकर अवैध रूप से संग्रहित की 56.73 बल्क लीटर अवैध शराब जप्त कर आरोपी संजय गौड़ पिता राजेंद्र गौड़ निवासी सांवेर को गिरफ्तार किया है।

कार्तिक वर्मा

को जन्मदिन की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं पापा मम्मी दादा नानी एवं समस्त वर्मा परिवार

सीएम की सभा को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा का गौतमपुरा में निरीक्षण

सीएम की कल होने वाली सभा को लेकर प्रशासन पूर्ण अलर्ट मोड में

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा नगर के लिए 26 नवंबर बुधवार का दिन अहम रहने वाला है । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को गौतमपुरा पहुंचेंगे । इस दौरान वे इंगोरिया-देपालपुर रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे इसके साथ ही किसानों के लिए भावांतर भुगतान योजना की दूसरी किस्त वन-क्लिक में जारी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की प्रस्तावित सभा और रोड शो को लेकर सोमवार को प्रशासन और पुलिस का पूरा अमला पूरी शक्ति के साथ मैदान में उतरा। कलेक्टर शिवम वर्मा स्वयं नगर पहुँचे और करीब चार घंटे से अधिक समय तक विभिन्न मार्गों, सभा स्थल और महत्वपूर्ण चौराहों का गहन निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग और भीड़ प्रबंधन समेत सभी तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण की शुरुआत शक्ति मंदिर नाका से हुई, जहाँ कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ स्थल की स्थिति को समझकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । इसके बाद उनका काफिला कन्याशाला स्कूल, बाग मोहल्ला, गांधी चौक, हनुमान बाजार, नो

कोठडी चौराहा, पुराना बस स्टैंड और नया बस स्टैंड के प्रमुख मार्गों पर रुका । हर स्थान पर उन्होंने व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों से संवाद किया और कमियों को तत्काल सुधारने के निर्देश दिए ।

प्रशासनिक टीम का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव रहा भगवान अचलेश्वर महादेव मंदिर, जहाँ कलेक्टर वर्मा को पंडित अमित जोशी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई । इसके बाद मंदिर परिसर में ही अधिकारियों के साथ विधायक मनोज पटेल भी विस्तृत बैठक शामिल हुवे । बैठक में सुरक्षा प्रबंध से लेकर भीड़ नियंत्रण तक, हर व्यवस्था की पुन: समीक्षा की गई और जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया गया । इस निरीक्षण के दौरान इंदौर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक एसपी यांगचेन डोलकर (भुटिया), एसडीएम आर.एम. त्रिपाठी, एसडीओपी संघप्रिय सम्राट, नायब तहसीलदार कुलदीपसिंह, सीएमओ मयूरी वर्मा, थाना प्रभारी अलका मैनिया सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर के साथ विधायक मनोज पटेल भी निरीक्षण में शामिल हुए और सभा की कुछ व्यवस्थाओं का जिम्मा विभिन्न कार्यकर्ताओं को दिया । कलेक्टर ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री की सभा के मद्देनज़र किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी । उन्होंने मुख्य मार्गों पर अवरोध हटाने, बैरिकेडिंग मजबूत करने, पार्किंग स्थलों के व्यवस्थित चिन्हांकन, एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स को सुरक्षित बनाने और सफाई अमले की अतिरिक्त ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए । साथ ही मेडिकल टीमों को स्टैंडबाय रहने और भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने को कहा । अधिकारियों की करीब डेढ़ घंटे चली समीक्षा बैठक के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मुख्यमंत्री के रोड शो और सभा की तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं । सभी विभागों को सुनिश्चित करना है कि कार्यक्रम से पहले सभी व्यवस्थाएँ सौ प्रतिशत पूरी हों । नगर में सोमवार को प्रशासन और पुलिस की सक्रियता ने स्पष्ट संकेत दिया कि 26 बुधवार का कार्यक्रम भव्य और सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए शासकीय दल पूर्णत: तैयार है । कलेक्टर के जाने के बाद इधर विधायक के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ,भरत आंजना, मंडल अध्यक्ष राजू जाट, नगर भाजपा अध्यक्ष प्रमोद सक्सेना, नगर परिषद अध्यक्ष गगन बाहेती, उपाध्यक्ष राजा पाटीदार, पवन चौधरी, सुनील जोशी सहित क्षेत्र के कई सरपंच व भाजपा कार्यकर्ताओं की भी बैठक आयोजित हुई जिसमें सभा के लिए विधायक पटेल ने सभी को विशेष दिशा निर्देश दिए ओर सभा को सफल बनाने का आह्वान किया । विधायक पटेल ने बताया कि गौतमपुरा के साथ देपालपुर, बेटमा, व हातोद के लिए भी सीएम कई सौगात देंगे।

रैलिंग हटाने और बीम तोड़ने के बाद डामरीकरण भी हुआ शुरू

सेंटर डिवाइडर का निर्माण करेगी ठेकेदार फर्म

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बीआरटीएस को तोडने के साथ नव निर्माण का काम भी अब ठेकेदार एजेंसियों से निगम करवाने जा रहा है। फिलहाल रैलिंग हटाने और उसके लिए बनाए गए बीम को तोडने के साथ बस स्टॉपों को भी खोला जा रहा है। अभी जीपीओ से लेकर व्हाइट चर्च तक का हिस्सा तोड़ा गया है और धूल-मिट्टी ना उड़े, इसके लिए डामरीकरण भी निगम ने शुरू करा दिया।

बड़ी मशक्कत, आलोचना और हाईकोर्ट द्वारा पड़ी फटकार के बाद नगर निगम ने बीआरटीएस तोडने का काम शुरू करवाया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने आधी रात के बाद इसका अवलोकन भी किया। साढ़े 11 किलोमीटर के बीआरटीएस को तोडने के साथ सेंटर डिवाइडर का निर्माण तीन एजेंसियों की सहायता से लगभग 11 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर करवाया जा रहा है। अभी जीपीओ की ओर से बस स्टॉप हटाने का काम भी शुरू किया गया और शिवाजी वाटिका चौराहा पर मौजूद स्टॉप को भी हटाया गया, जिसके चलते सिटी बस यात्रियों को अब फुटपाथ से टिकट बेचना पड़ रही है। पूरे कॉरिडोर पर 40 नए बस स्टॉप भी दोनों तरफ निर्मित किए जाएंगे। अभी पूरे बीआरटीएस कॉरिडोर पर 21 बस स्टॉप हैं, जिनमें से अभी नीरंजनपुर और सत्यसांई फ्लायओवर के चलते पहले ही हटा दिए थे। निगम के जनकार्य समिति प्रभारी राजेन्द्र राठौर के मुताबिक, बीआरटीएस पर धूल ना उड़े और बीम तोडने के बाद सडक़ समतल रहे इसके लिए डामरीकरण भी शुरू करा दिया है। कल रात भी डामरीकरण का कार्य मौके पर किया गया। निगम ने बीम तोडने का काम रात में करने और बस स्टॉप हटाने का काम दिन में करने के निर्देश ठेकेदार फर्म को दिए हैं और इसके अलावा रात में ही तोड़े गए बीम की जगह का डामरीकरण कराया जा रहा है और अस्थायी प्रीकॉस्ट डिवाइडर भी रखवाए गए, ताकि किसी तरह की दुर्घटना ना हो। अब इसके साथ ही सेंटर डिवाइडर बनाने का काम भी एजेंसी शुरू करेगी।

आज इंदौर पहुंचेगी भारत एकता यात्रा

खजराना गणेश मंदिर में पदयात्रियों का होगा भव्य स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के अंतर्गत आयोजित सरदार@150 यूनिटी मार्च के तहत नागपुर से निकलने वाली नर्मदा प्रवाह 'भारत एकता पदयात्रा आज देर शाम इंदौर पहुंचेगी। इसी की तैयारियों को लेकर नगर पदाधिकारियों की बैठक भाजपा कार्यालय पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। भाजपा नगर अध्यक्ष ने बताया कि यात्रा आज देर शाम इंदौर पहुंचेगी। खजराना गणेश मंदिर में यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सांसद, महापौर और सभी विधायक पदयात्रियों का स्वागत करेंगे। मंदिर में ही साँस्कृतिक कार्यक्रम होगा। खजराना मंदिर और बर्फनी धाम में यात्रियों के भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था की गयी है। 26 नवंबर को सुबह पदयात्रियों को योग कराया जाएगा। उसके पश्चात इंदौर की स्वच्छता का प्रेजेंटेशन और स्वच्छता मॉडल पर संवाद किया जाएगा।

खजराना मंदिर में ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण करेंगे। उसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की उपस्थिति में सरदार वल्लभ भाई पटेल की छोटी ग्वालटोली स्तिथ प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं संबोधन के पश्चात यूनिटी मार्च प्रारंभ होगी।

बैठक में नगर महामंत्री सुधीर कोल्हे, कैलाश पिपले, उपाध्यक्ष हरप्रीत सिंह बक्शी, वासुदेव पाटीदार, राकेश शर्मा, गौतम शर्मा, मंजू ठाकुर नगर मंत्री कंचन गिदवानी, स्वाति कशीद, सचिन बंसल, वरुण पाल, विशाल यादव, हेमराज वाडिया, नितिन शर्मा, रितेश शर्मा, गोविंद पंवार, मन्नी भाटिया, दीपेश पचोरी, दीपांश खण्डेलवाल, राजा कोठारी, सौरभ खण्डेलवाल आदि उपस्थित थे।

यात्रा मार्ग-छोटी ग्वालटोली प्रतिमा स्थल श्याम स्कूटर से मधु मिलन चौराहे स्थित हनुमान मंदिर तक विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के कार्यकर्ता मंचों से यात्रा का स्वागत करेंगे। हनुमान मंदिर से दवा बाजार तक विधानसभा राऊ के कार्यकर्ता, दवा बाजार से लंगड़ा शाकब तक विधानसभा 5 के कार्यकर्ता, लंगड़ा शाकब से पिपलेश्वर महादेव मंदिर तक विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 5 के कार्यकर्ता, पिपलेश्वर महादेव मंदिर से लक्ष्मीनारायण दूध भंडार तक विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 के कार्यकर्ता,लक्ष्मीनारायण दूध भंडार से छावनी चौराहे तक विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 के कार्यकर्ता मंचों से स्वागत करेंगे।

विहिप व बजरंग दल ने किया आरटीओ कार्यालय पर प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हिंदू परिषद बजरंग दल प्रचार प्रमुख अन्नू गेहलोत बताया की उपरोक्त विषय में निवेदन है कि हंस ट्रेवल्स की बसों में काफी लंबे समय से आये दिन यात्रियों से अभद्र व्यवहार होने की शिकायतें आम सी हो गई है व गत-दिन पूर्व पुन: हंस ट्रेवल्स की बसों में यात्रा कर रही कुछ महिलाओं से अश्लीलता व छेड़-छाड़ उनके स्टॉफ के द्वारा की गई है। जिसका कई समाचार पत्रों व शहर के प्रमुख जनप्रतिनिधि द्वारा भी पुलिस प्रशासन को शिकायत की गई है। परन्तु हमेशा की तरह उक्त हंस ट्रेवल्स के मालिक व स्टॉफ के खिलाफ कोई कड़ी कार्यवाही करे बिना छोड़ दिया जाता है। जिसके परिणाम स्वरूप यात्रीगण बस माफियाँओं के इस व्यवहार से लगातार शोषित हो रहे है।

विगत दिनों हुई घटना से हमारा पूरा शहर शर्मसार है व हम हिन्दू समाज की और से श्रीमान जिलाधीश महोदय, पुलिस प्रशासन व आरटीओ इन्दौर से मांग करते है कि -उक्त बस ट्रेवल्स में कई जिहादी प्रवृत्ति के ड्रायवरों / कन्डक्टरों की जांच की जाए।

सराफा बाजार से 7 बंगाली कारीगर एक करोड़ का सोना लेकर फरार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के सराफा कारोबार में इन दिनों एक ऐसी सनसनी फैल गई है, जिसने हर ज्वेलर को चौंका दिया है। करीब एक करोड़ रुपए कीमत का सोना लेकर सात बंगाली कारीगर रातों-रात इंदौर से गायब हो गए, शिकायत ओम विहार कॉलोनी निवासी गणेश पिता नीति ने दर्ज कराई है, जो 'गणेश ज्वेलर्स' के नाम से सर्राफा में दुकान संचालित करते हैं। गणेश के अनुसार, उनकी दुकान पर लंबे समय से बंगाल के कई कारीगर काम करते थे—संतु मांझी, माणिक सामाता, कार्तिक भाई, अनिल, सुदीप मोडोला, तपोस, तापस, पोलास भाई, विजेंद्र और विश्वास। इन्हीं कारीगरों ने मिलकर सोने की बीसी (कमेटी) फंड स्कीम शुरू की थी। सराफा बाजार में ये फंड 12 महीने की अवधि के लिए चलता था, जिसमें हर महीने सोना इकट्ठा कर आभूषण बनाने के लिए कारीगरों को दिया जाता था। इसी बहाने इन कारीगरों के पास करीब 900 ग्राम सोना जमा हो गया। लेकिन खेल यहीं पलट गया। कुछ दिन पहले सातों कारीगर दुकान से ऐसे गायब हुए जैसे हवा में उड़ गए हों। न फोन उठाया, न कोई सराग छोड़ा। फंड का पूरा सोना समेटकर यह पूरा गिरोह इंदौर से फरार हो गया। शहर के सराफ़ा व्यापारियों में हड़कंप मच गया है, क्योंकि मामला सिर्फ चोरी का नहीं बल्कि 'पहले भरोसा जीतकर बाद में माल समेटने' वाली सुनियोजित चाल जैसा दिख रहा है।

एसआईआर के कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सांवेर विधानसभा के मतदाता पंजीयन अधिकारी श्री घनश्याम धनगर द्वारा एसआईआर के कार्य को 100 प्रतिशत पूर्ण करने वाले सभी कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सभी की सक्रियता और कर्तव्यनिष्ठा से सांवेर विधानसभा जिले की सभी 09 विधानसभाओं में सबसे टॉप पर हैं। मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य के साथ साथ ऑनलाइन अपलोडिंग का कार्य भी किया जा रहा है जिसमें शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग के साथ साथ अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

अग्रसैन सोशल ग्रुप के वर्ष 2025-26 के पदाधिकारियों का ग्रुप की मीटिंग में स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रसैन सोशल ग्रुप के वर्ष 2025 26 के पदाधिकारियों का ग्रुप की मीटिंग में स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के मार्गदर्शक वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद गोयल ने कहा सेवा समर्पण निष्ठा के साथ एवँ यश कीर्ति की चाह के बिना सेवा करना ही सच्ची समाजसेवा है। ग्रुप समन्वयक राजेश गर्ग संचालक शिव जिन्दल ने बताया की ग्रुप द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमलेश मित्तल, महामंत्री राजकुमार बंसल, संयोजक राजू बंसल ,कोषाध्यक्ष सतीश गोयल ,डायरेक्टर विनोद गोयल ,सतीश गोयल हरसूद ,डॉक्टर गोविन्द सिंघल, गोपाल गर्ग, निरंजन गुप्ता, मनीष मित्तल, विजय गर्ग ,विनोद बंसल का स्वागत कर सम्मान किया। स्वागत अनूप सिंघल एडवोकेट महेन्द्र सिंघल, मनीष अग्रवाल, हेमन्त अग्रवाल, राजेन्द्र गोयल ने किया। नये पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में सेवा कार्यो के नये आयाम स्थापित करने का वचन दिया। साथ ही सभी ने 21 22 दिसंबर को आयोजित 39 वे अ भा युवा अग्रवाल परिचय सम्मेलन को ऐतिहासिक सफल बनाने का संकल्प लिया। संचालन मनीष गोयल ने किया आभार संजय गर्ग ने माना

25 सालों से पत्रकारिता में सक्रिय सीएम मोहन यादव के बड़े भाई नंदलाल यादव बने उज्जैन प्रेस क्लब अध्यक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सोसाइटी फॉर प्रेस क्लब उज्जैन की साधारण सभा सोमवार, 24 नवंबर को ठीक 10:30 बजे हुई। इसमें नंदलाल यादव को सर्वसहमति से उज्जैन प्रेस क्लब का अध्यक्ष चुना गया है। नंदलाल करीब 25 सालों से उज्जैन में पत्रकारिता में सक्रिय रहे हैं। वह सीएम मोहन यादव के बड़े भाई हैं। उज्जैन में एक चैनल का संचालन करते हैं जिसके वे डायरेक्टर भी हैं।

पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष विशाल सिंह हाड़ा ने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इस साल चुनाव नहीं किए जाएं। इसके बजाय सर्वानुमति से वरिष्ठ पत्रकार नंदलाल यादव को प्रेस क्लब का अध्यक्ष बनाया जाए। उनका प्रस्ताव सदन ने बहुमत से पास किया। वहीं एक अन्य सदस्य अभिषेक नागर ने भी एक प्रस्ताव रखा है।

उन्होंने कहा कि विशाल सिंह हाड़ा के पूर्व में किए गए कार्यों को देखते हुए उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाए। इस प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई। बैठक में प्रेस क्लब के अन्य प्रस्तावों पर भी सहमति बनी है। इसमें हाड़ा के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी है। उनके प्रस्ताव के मुताबिक, पूरी कार्यकारिणी सदन के जरिए निर्विरोध चुन ली जाए। इसके बाद सचिव विजय व्यास, उपाध्यक्ष उदय सिंह चंदेल, विक्रम सिंह जाट और कोषाध्यक्ष भूपेंद्र भूतड़ा चुने गए हैं। संयुक्त सचिव कमलेश जाटव, कार्यकारिणी सदस्य हर्ष जयसवाल, मनोज तिलक, रवि सेन, गोविंद प्रजापति, धर्मेंद्र भाटी, नीलेश राव, डॉ. प्रणव नागर, राहुल यादव, संजय पुरोहित, प्रकाश त्रिवेदी, अपूर्व देवड़ा, अभिजीत सिंह बेस, विश्वास शर्मा और अशोक त्रिपाठी भी चुने गए।

उज्जैन प्रेस क्लब अध्यक्ष पर एक नजर...

● 24 नवंबर को उज्जैन प्रेस क्लब की साधारण सभा में नंदलाल यादव को सर्वसहमति से अध्यक्ष चुना गया।

● नंदलाल यादव 25 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय हैं और वे उज्जैन में चैनल के डायरेक्टर भी हैं।

● पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष विशाल सिंह हाड़ा ने नंदलाल यादव को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे बहुमत से मंजूरी मिली।

● विशाल सिंह हाड़ा को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया, और पूरी कार्यकारिणी निर्विरोध चुनी गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 25 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

देवी मां शाकम्भरी का 26 वां जयंती महोत्सव इस बार 3 जनवरी को

इंदौर • साग-सब्जी, फल-फूल उपलब्ध कराने वाली मां शाकम्भरी देवी सकराय माताजी का 26 वां महोत्सव इस बार शनिवार, 3 जनवरी को बायपास स्थित सम्पत पैलेस गार्डन पर मनाया जाएगा। महोत्सव का यह 26 वां वर्ष होगा। महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस दौरान प्रसिद्ध परंपरागत तांडव आरती भी होगी। महोत्सव में सुबह से रात तक विभिन्न आयोजन होंगे। मालवांचल के विभिन्न शहरों के अनेक श्रद्धालु भी इस महोत्सव में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। कोलकाता से चुनिन्दा फूलों का गजरा बुलवाया जाएगा और माता रानी के दरबार का भव्य श्रृंगार कर पंडाल भी सजाया जाएगा। शाम को 101 कन्याओं के पूजन एवं उसके पूर्व मां शाकम्भरी का मंगल पाठ भी होगा। आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम संयोजक प्रभारी गोपाल अग्रवाल, रामप्रसाद सोंथलिया एवं जयेश अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ आचार्य प. प्रद्युम्न दीक्षित एवं आचार्यों ने निर्देशन में स्थापना एवं मंडल पूजन के साथ होगा।

पोषण रखते हुए वीगन जीवनशैली अपनाने की स्मार्ट गाइड- ऋतिका

इंदौर • वीगन जीवनशैली अपनाना बेहतर स्वास्थ्य, स्थिरता और करुणा की दिशा में एक सार्थक कदम हो सकता है। बहुत से लोग मानते हैं कि वीगन आहार में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, लेकिन सोच-समझकर की गई योजना के साथ संतुलित और पौष्टिक भोजन लेना पूरी तरह संभव है। वीगन बनना केवल जानवरों से प्राप्त खाद्य पदार्थों को हटाने भर का विषय नहीं है, बल्कि विविध पौध-आधारित खाद्य पदार्थों से भरपूर, संपूर्ण और पौष्टिक थाली बनाना है। आज हम मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रीजनल हेड ऑफ डायटेटिक्स, ऋतिका समद्दार द्वारा सुझाए गए कुछ सुझावों और उपायों पर नज़र डालेंगे, जो वीगन बनने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए उपयोगी हैं। मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रीजनल हेड ऑफ डायटेटिक्स, ऋतिका समद्दार के अनुसार, स्वस्थ वीगन आहार की नींव संपूर्ण और न्यूनतम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों पर आधारित होती है। वह सलाह देती हैं कि थाली का आधा हिस्सा रंग-बिरंगे फलों और विभिन्न प्रकार की सब्ज़ियों से भरें, द हिस्सा दालों जैसी हेल्दी प्रोटीन से और शेष द हिस्सा ब्राउन राइस, साबुत गेहूं, मिलेट्स जैसे साबुत अनाजों से पूरा करें। साथ ही, स्वस्थ वसा के लिए नट्स-विशेषकर कैलिफ़ोर्निया बादाम-शामिल करने से आहार और अधिक संतुलित बनता है।

12 हजार शिक्षक पढ़ाने की बजाय दफ्तरों में उलझे! उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को लेकर कांग्रेस लगातार सवाल उठाती आई है। एक तरफ पहले ही बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षक कम हैं उसपर कई बार उन्हें शिक्षण के अलावा अन्य कामों में लगा दिया जाता है। इस कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और उनके रिजल्ट पर भी असर पड़ता है। एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि 70 कॉलेज प्रोफेसर और 12,000 स्कूली शिक्षकों को क्लास लेने की जगह सरकारी दफ्तरों में काम पर लगा दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार शिक्षा व्यवस्था की अर्थी सजाने में लगी है।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ भी बीजेपी पर आरोप लगा चुके हैं कि शिक्षकों की कमी के बावजूद लगभग पंद्रह हज़ार शिक्षकों को शैक्षणिक कार्य करने की जगह दूसरे कामों में लगाया गया हैं। कई ऐसे स्कूल हैं जहां शिक्षक ही नहीं है और कई स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठना लाजमी है। कांग्रेस लगातार शिक्षकों की भर्ती की मांग कर रही है और अब उसने शिक्षकों को अन्य कार्यों में लगाए जाने पर आपत्ति जताते हुए सरकार से सवाल किए हैं।

उमंग सिंघार ने शिक्षा के मुद्दे पर सरकार को घेरा

शिक्षकों का मुख्य कार्य है छात्रों को पढ़ाना। लेकिन कभी चुनाव के दौरान तो कभी एसआईआर के लिए इन्हें अलग अलग तरह की ड्यूटी पर भेज दिया जाता है। इसे लेकर कई बार शिक्षक भी आवाज़ उठा चुके हैं और कांग्रेस भी उनका समर्थन करती आई है। इसी मुद्दे पर फिर विपक्ष ने सरकार को घेरा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि 'भाजपा सरकार शिक्षा व्यवस्था की अर्थी सजाने में लगी है। 70 कॉलेज प्रोफेसर और 12,000 स्कूल शिक्षक अब कक्षा नहीं लेते बल्कि सरकारी दफ्तरों में फाइल चेक कर रहे हैं। मप्र के कॉलेजों में 6,000 से अधिक पद खाली हैं और स्कूलों में 60,000 से ज़्यादा पद रिक्त पड़े हैं और सरकार शिक्षकों की भर्ती करने की बजाय जो बचे हुए शिक्षक हैं उन्हीं को सरकारी दफ्तरों में धकेल रही है।' उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसे में स्कूल-कॉलेज में बच्चो को पढ़ाने के लिए अफसरों को भेजा जाएगा।'

मां की मौत के बाद भी डटी रही बीएलओ, पार्थिव शरीर आने तक घरों से फॉर्म कलेक्ट करती रहीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एसआईआर का काम कर रही एक बीएलओ ने मिसाल पेश की है। इंदौर की सॉफ्टबॉल खिलाड़ी और विक्रम अवॉर्ड प्राप्त कुमारी नीलू गौड़ की मां का कैंसर से निधन हो गया। लेकिन यह पता चलने के बाद भी वे ड्यूटी करती रहीं। शनिवार 22 नवंबर को सुबह छह बजे नीलू ने अधिकारियों को फोन पर मां के निधन की सूचना दी और कहा कि मां के पार्थिव शरीर को अस्पताल से घर तक लाने में समय लगेगा। इसलिए तब तक मैं एआईआर के फॉर्म जिन घरों को दिए हैं, वहां से ले आती हूं। इसके बाद मां के अंतिम संस्कार में शामिल हो जाऊंगी। अफसरों के मना करने के बाद भी वे नहीं मानी। नीलू ने बताया कि बीएलओ का काम मिलने के बाद वे दिन में फील्ड का काम करती थी और रात में मां के पास समय बिताती थी। यह पता चलने के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा ने नीलू गौड़ के काम की तारीफ की। निर्वाचन शाखा के मुताबिक नीलू ने अब तक 540 से अधिक मतदाताओं के घरों तक फॉर्म पहुंचा चुकी हैं और लगभग 125 से अधिक फॉर्म कलेक्ट कर डिजिटलाइज भी कर चुकी हैं। यह उपलब्धि किसी भी बूथ लेवल अधिकारी के लिए उल्लेखनीय और प्रेरणादायक है।

सॉफ्ट बॉल की राष्ट्रीय प्लेयर हैं नीलू

नीलू गौड़ सॉफ्ट बॉल की राष्ट्रीय प्लेयर हैं। वर्तमान में वे वाणिज्यिक कर कार्यालय इंदौर में सहायक ग्रेड-III के पद पर कार्यरत हैं। निर्वाचन कार्यों के दौरान उन्हें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक इंदौर-5 के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।

यह समय समाजवाद, वामवाद, उदारवाद से ऊपर उठकर काम करने का है-अवधेश कुमार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • वरिष्ठ पत्रकार एवं चिंतक अवधेश कुमार ने कहा है कि आने वाले समय में इस पूरे विश्व का नेतृत्व भारत करेगा। इस समय विश्व में जो स्थिति है उसे देखते हुए यह समय समाजवाद, वाम वाद, उदारवाद जैसे विचारों से ऊपर उठकर काम करने का है। वे आज शाम यहां अभ्यास मंडल की 65 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला में समाजवाद का स्वप्न और संभावनाएं विषय पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एनजीओ की संस्कृति ने हमारे देश में विकृति पैदा की है। हर विचार देश, काल और परिस्थिति से पैदा होता है और समय उसका परीक्षण करता है। समाजवाद का विचार भी एक राजनीतिक विचार है। वंचितों के कल्याण का काम निश्चित तौर पर राजनीति का विचार है। राजनीति भी सेवा का उत्कृष्ट माध्यम है। यह एक अलग बात है कि देश की आजादी के बाद जिन लोगों को राजनीति में आना चाहिए था वे लोग नहीं आएं और जिन लोगों को नहीं आना चाहिए था वे लोग आ गए। विश्व में इस तरह के सारे विचार यूरोप से ही आए हैं। जब वहां पर औद्योगिक क्रांति हुई और नई समस्याएं पैदा होने लगी तो इस तरह के समाजवाद के विचार सामने आने लगे। हमारे यहां भी वहीं की सत्ता थी।

उन्होंने कहा कि इस विश्व में कोई ऐसा देश हो जो कि समाजवाद के नाम पर खड़ा होकर आदर्श प्रस्तुत कर रहा हो तो बताएं? वर्ष 1917 की क्रांति में रुस पहले सोशलिस्ट फिर वामपंथी देश बना। चीन में भी फिर वामवाद आया। पूंजी के माध्यम से सत्ता के निर्माण के विरुद्ध पैदा हुआ विचार ही वामवाद है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में समाजवाद के लिए काम करने वाले नेता कभी एक नहीं हो पाएं। कभी एक दूसरे का सम्मान नहीं कर पाएं और कभी एक दूसरे के साथ संवाद भी नहीं कर पाएं। उनका जीवन चरित्र संघर्ष का रहा। वे समाज के साथ आपस में भी लड़ते रहें।

उन्होंने कहा कि हाल ही में दिल्ली में हुआ विस्फोट आज के विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। अच्छे परिवार के पढ़े-लिखे डॉक्टर जब इस तरह से काम करने लगे तो निश्चित तौर पर समाज के सामने एक सवाल पैदा होता है। इस स्थिति से केवल भारत नहीं बल्कि विश्व के कई देश पीड़ित है। आज पाकिस्तान के पेशावर में भी विस्फोट हुआ है। हमें सच्चाई को स्वीकारना होगा। इस समय विश्व के सामने नव वामवादी के रूप में एक नया विचार लाया गया है। आज एक शक्तिशाली देश दूसरे देश पर हमला करता है तो पूरा विश्व उसकी निंदा करता है लेकिन उस देश को बचाने के लिए कोई आगे नहीं आता है। हमारे देश में इस समय यह फैशन चल गया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करें। वामपंथ ही एक वह विचार है जो प्रतिक्रिया के परिणाम स्वरुप पैदा हुआ है।

इस युग में हम स्वयं पर नियंत्रण पाना सीख लें तो बहुत कुछ शांति और स्थिरता मिलना संभव है - प.पू. विश्वरत्न सागर

इंदौर • आज समूचा विश्व कई तरह की समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा है तब मनुष्य का मानसिक भटकाव रोकना हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। हमारा जिनशासन इतना व्यापक, उदार, समृद्ध और सक्षम है कि हम मंत्रों और ग्रंथों के माध्यम से भी शांति, संयम और साधना के मार्ग पर समाज को अग्रसर बना सकते हैं। मनुष्य जीवन में हर क्षण अनेक तरह के बदलाव आते रहते हैं, यहाँ कुछ भी स्थायी नहीं है। सबकुछ बदलने वाले इस युग में यदि हम अपने गुरुदेव द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर स्वयं पर नियंत्रण पाना सीख लें तो जीवन में बहुत कुछ शांति और स्थिरता मिलना संभव है। हमारे धर्म ग्रंथों में इतनी शक्ति है कि हम दुनियाभर में एक संयमित और स्थिर तथा साधना से परिपूर्ण मानव समाज की स्थापना कर सकते हैं।

पद्मवंशी राठौर समाज के ससुर ने विधवा बहू को बेटी के रूप में बिदा कर किया कन्यादान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर सोमवार की शाम को एक आदर्श विवाह का आयोजन किया गया। इस अनूठे और अनुकरणीय प्रसंग के सूत्रधार थे दुल्हन रचना के ससुर शिवलाल राठौर जिन्होंने अपनी बहू को बेटी के रूप में बिदा कर कन्यादान भी किया। इस मौके पर दुल्हे नरेन्द्र के 7 वर्षीय बेटे प्रिंस और 14 वर्षीय बालिका क्रिंची भी अपने पिता के विवाह के साक्षी बने। विद्याधाम स्थित माँ त्रिपुर सुन्दरी की साक्षी में आचार्य पं. राजेश शर्मा ने दुल्हे नरेन्द्र एवं दुल्हन रचना ने एकदूजे को वरमाला पहनाकर एवं सुहाग के प्रतीक सिंदूर की रस्म अदा कर इस नए रिश्ते को स्वीकार किया। दुल्हा-दुल्हन दोनों पद्मवंशी मारवाड़ी समाज के हैं और दुल्हन रचना के पति का वर्ष 2023 में ब्रेन हेमरेज से निधन हो जाने से वे पिछले दो वर्षों से एकांकी जीवन जी रही थीं जबकि दुल्हे नरेन्द्र की पत्नी का भी कैंसर के कारण निधन हो जाने से वे भी अपनी दो संतानों के साथ रह रहे हैं। दुल्हन रचना की एक बेटी भी है जिसका

विवाह हो चुका है। दुल्हन के ससुर शिवलाल राठौर ने अपनी बहू को सोमवार की शाम को जब दोनों पक्षों के मेहमानों और समाज के लोगों के बीच दुल्हे नरेन्द्र को अपनी बेटी के रूप में रुंधे गले से कन्यादान किया तो उनका भाव यही था कि मैं रचना को बहू बनाकर लाया था और आज बेटी बनाकर बिदा कर रहा हूँ। मुझे इस निमित्त कन्यादान का भी सौभाग्य मिल रहा है।

दावत में गौमांस परोसने का आरोप ओमनी वैन से मिला मांस

बजरंग दल ने पकड़ा युवक, पुलिस ने की पुष्टि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • निकाह समारोह में गौमांस परोसने की सूचना के बाद महू के श्रीसाईनाथ गार्डन में सोमवार को बड़ा हंगामा हो गया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके से एक युवक को पकड़ा और ओमनी वैन से भरी प्लास्टिक की बोरियां बरामद कर पुलिस के हवाले कर दीं। पुलिस ने मौके से मिले मांस की पशु चिकित्सक से जांच कराई, जिसमें उसे गौमांस होना पाया गया है। इसके बाद पूरे मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ शुरू कर दी है। फरियादी शुभम ठाकुर अपने साथियों सोनू पटेल, पुलकित मिश्रा और योगेश

मेहरा के साथ थाना पहुंचा और उसने बताया कि वे सभी बजरंग दल के कार्यकर्ता हैं। शुभम के अनुसार 24 नवंबर को दोपहर करीब डेढ़ बजे उन्हें सूचना मिली थी कि अमान जेदी उर्फ अस्सु की निकाह दावत में परोसने के लिए गौमांस एक सफेद रंग की ओमनी वैन से लाया जा रहा है, जिसका नम्बर स्क्र09 क्ष 5260 है। सूचना मिलते ही वे श्रीसाईनाथ गार्डन की ओर रवाना हुए। गार्डन पहुंचने पर उन्होंने देखा कि कुछ लोग उन्हें देखते ही भाग निकले। ठीक उसी समय एक युवक वैन में से प्लास्टिक की भरी बोरियां उतार रहा था और वह भी उन्हें देखकर भागने लगा। पीछा कर उसे पकड़ा गया, जिसने अपना नाम अयान खान पिता अलताफ, उम्र 22 वर्ष निवासी फुट मार्केट महू बताया। बजरंग दल जिला संयोजक शुभम ठाकुर और उसके साथियों ने बताया कि अयान खान के हाथ में रखी बोरी और वैन में रखी दूसरी बोरी को खोलकर देखा गया तो उसमें कटा हुआ मांस मिला। पूछने पर अयान ने स्वीकार किया कि निकाह की दावत के लिए अमान अस्सु ने गौमांस बुलवाया था और वह उसके कहने पर मांस को गार्डन के स्टोर रूम में रखने आया था।

अमानक औषधियों की खरीद-बिक्री प्रतिबंधित आयुष अधिकारी बोले- ये दवाएं तुरंत लौटाएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • I इंदौर में अमानक औषधियों का क्रय-विक्रय प्रतिबंधित किया गया है। ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 और नियम 1945 की धारा 33 ईई के तहत कुछ दवाओं को अमानक घोषित किया गया है। संचालनालय आयुष भोपाल मध्यप्रदेश ने इन दवाओं के विक्रय और उपयोग को प्रतिबंधित किया है।

जांच रिपोर्ट के बाद जिला आयुष अधिकारी ने इंदौर जिले के सभी मेडिकल स्टोर्स संचालकों को निर्देश जारी कर स्टॉक को हटाने और कंपनी को वापस भेजने को कहा है। साथ ही मेडिकल स्टोर संचालकों के विरूद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत कठोर कार्यवाही की जाएगी।

जारी आदेशानुसार प्रतिबंधित औषधियों में कोई भी औषधि जनसामान्य के बीच उपयोगार्थ पाई जाती है या जनहानि होती है तो इसके लिए विक्रेता जिम्मेदार होगा। डॉ. बारिया ने बताया कि पिछले ?दिनों छिंदवाड़ा जिले में जहरीले कफ सिरप से 22 बच्चों की दुखद मौत हो गई थी। साथ ही बिछुआ में पांच माह की बच्ची की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद स्थानीय जिला प्रशासन ने एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाओं की जांच कराई थी।

जांच रिपोर्ट में ये दवाइयां अमानक पाई गई

कफ कुठार रस, डाबर इंडिया लि. साहिबाबाद उ.प्र बैच नंबर SB00066।

लक्ष्मी विलास रस (नारदीय) डाबर इंडिया लि. साहिबाबाद उ.प्र बैच नंबर SB000656।

प्रवाल पिष्टी श्री धनवतरी हर्बल्ला विलेज किशनपुरा पीओ गुरमाजरा सोलन एच.पी बैच नंबर PPMB077।

मुक्ता शुक्ति श्री धनवतरी हर्बल्ला विलेज किशनपुरा पीओ गुरमाजरा सोलन एच.पी बैच नंबर MSBD059।

गिलोय सत्व शर्मायु जेन्युइन आयुर्वेद श्री शर्मा आयुर्वेद मंदिर दतिया म.प्र बैच नंबर 005P-1।

कामदुधा रस शर्मायु जेन्युइन आयुर्वेद श्री शर्मा आयुर्वेद मंदिर दतिया म.प्र. बैच नंबर 25117002P-1।

सम्पादकीय

'मैं टूट चुका हूं, कोई मुझे समझे' - काउंसलर भी नहीं सुन रहे, शिक्षक भी नहीं समझ रहे

दिल्ली में कक्षा 10 के एक छात्र और मध्य प्रदेश के रीवा में कक्षा 11 की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। दोनों ने अपने नोट में लिखा कि कुछ शिक्षक उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे थे, जिससे वे यह कदम उठाने को मजबूर हुए। पढ़ाई और परीक्षा के दबाव की वजह से विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं पहले ही चिंता का विषय बनी हुई थीं। मगर हाल के दिनों में स्कूल में अपने साथ हुए बर्ताव से आहत होकर कुछ विद्यार्थियों के आत्महत्या कर लेने की खबरें बेहद परेशान करने वाली हैं। पिछले हफ्ते दिल्ली में दसवीं कक्षा के एक छात्र और मध्य प्रदेश के रीवा में ग्यारहवीं की छात्रा ने खुदकुशी कर ली। उन्होंने अपने आत्महत्या नोट में बताया कि कुछ शिक्षक उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। वहीं जयपुर के स्कूल में महज नौ वर्ष की एक बच्ची पर उसके कई सहपाठी लगातार परेशान करने वाली टिप्पणियां कर रहे थे। दिल्ली के छात्र ने स्कूल के काउंसलर से अपना दुख साझा किया था, वहीं जयपुर के स्कूल की बच्ची ने भी शिक्षकों से मदद मांगी थी। मगर शिक्षकों ने इस पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा। जबकि शिक्षकों और काउंसलरों की यह प्राथमिक जिम्मेदारी होती है कि वे किसी भी तरह की परेशानी का सामना कर रहे बच्चों की हर स्तर पर मदद करें। विडंबना यह है कि अपनी जिम्मेदारी का अहसास किए बिना कुछ शिक्षक बच्चों के साथ ऐसा बर्ताव करते हैं कि कई बच्चे तनाव और अवसाद की हालत में चले जाते हैं। ऐसे नाजुक समय में अगर समय पर बच्चों को मनोवैज्ञानिक सहायता मुहैया नहीं कराई जाती है, तो इसका परिणाम कई बार दुखद होता है। सवाल है कि जो शिक्षक बच्चों की मुश्किलों की पहचान समय पर नहीं कर पाते, मदद करने के बजाय उनके प्रति सख्त व्यवहार करते हैं, उनका प्रशिक्षण किस रूप में हुआ होता है। अगर कोई बच्चा स्कूल में हुए व्यवहार की वजह से आखिरकार जीने का हौसला खो देता है, तो ऐसे माहौल के लिए कौन जिम्मेदार है? स्कूलों के साथ-साथ घर-परिवार में भी यह विचार करने की जरूरत है कि बच्चों को किसी भी वजह से उपजे तनाव या दबाव का सामना करने को लेकर कैसे प्रशिक्षित किया जाए। स्कूलों में अपने साथ शिक्षकों या अन्य सहपाठियों के बर्ताव की वजह से बच्चों की आत्महत्या की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। इसके हल के लिए सरकार, समाज और स्कूल प्रबंधनों को तुरंत विचार करना चाहिए।

अयोध्या राममंदिर में ध्वजारोहण: सनातन स्मृति, सांस्कृतिक निरंतरता और आध्यात्मिक स्वाधीनता का प्रखर उद्घोष

25 नवंबर 2025 को अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर होने वाला धर्मध्वज-रोहण केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारत की सनातन स्मृति, सांस्कृतिक निरंतरता और आध्यात्मिक स्वाधीनता का प्रखर उद्घोष है। इस दिन विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर भव्य मंदिर के मुख्य शिखर पर केसरिया धर्मध्वज फहराया जाएगा, जो प्राणप्रतिष्ठा के उपरांत मंदिर-निर्माण की पूर्णता और करोड़ों रामभक्तों की बहुशताब्दी प्रतीक्षा के फलित होने का प्रतीक बनेगा।

मर्यादा की राजधानीअयोध्या को शास्त्रों में रघुवंश की राजधानी, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि तथा सत्य, धर्म और लोकमंगल की धरती के रूप में वर्णित किया गया है। यह वही नगरी है जहाँ धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि आचरण और राजव्यवस्था का आधार माना गया। इस पावन भूमि पर जब धर्मध्वज लहराता है, तो वह समूची भारतीय संस्कृति को नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और दैदीप्यमान आध्यात्मिक दिशा प्रदान करता है।25 नवंबर का यह ध्वजारोहण उत्सव रामराज्य के आदर्शों यथा न्याय, करुणा, कर्तव्य और अनुशासन को पुनः स्मरण कराने वाला ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री द्वारा मंदिर के मुख्य शिखर पर स्थापित किया जाने वाला यह ध्वज आने वाली पीढ़ियों के लिए यह संदेश संप्रेषित करेगा कि अयोध्या अब केवल स्मृति नहीं, बल्कि सजीव सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है।

ऋग्वेद में 'केतुं कृण्वन्नकेतवे' मंत्र के माध्यम से ध्वज को केवल चिह्न नहीं, मार्गदर्शक तेजस्वी चेतना के रूप में उद्घोषित किया गया है। इस संदर्भ में 'केतु' का अर्थ ऐसा संकेत है जो पथभ्रष्टता से बचाकर साधक और समाज दोनों को धर्ममार्ग की ओर उन्मुख करे। वैदिक यज्ञों में ध्वज की प्रतिष्ठा देवशक्ति की जाग्रत उपस्थिति और आकाश की ओर उर्ध्वगामी

मानव-अभिलाषा का प्रतीक मानी गई।इंद्रध्वज-उत्सव की परंपरा हो या यज्ञशालाओं के सामने खड़े ध्वज-स्तंभ,इन सबका मूल भाव यही रहा कि समाज अपने आदर्शों, व्रतों और संकल्पों को दृश्य रूप में प्रतिष्ठित करे।अयोध्या में फहरने वाला धर्मध्वज इसी वैदिक परंपरा का समसामयिक पुनरावर्तन है, जो यह संकेत देता है कि इस भूमि पर धर्म, सत्य और मर्यादा से बड़ा कोई मूल्य स्वीकार्य नहीं।

अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान रामध्वज की मर्यादा से जुड़ी रही है, जहाँ राजमहलों, मंदिरों, युद्ध-रथों और नगर-द्वारों पर लहराते ध्वज केवल सामरिक शक्ति नहीं, बल्कि नीति, न्याय, लोककल्याण और दैवी संरक्षण के प्रतीक माने जाते थे। रामकथा में बार-बार यह भाव उपस्थित है कि श्रीराम का प्रताप और उनकी मर्यादा ही अयोध्या की वास्तविक शोभा है; ध्वज उसी मर्यादा का दृश्य-विज्ञापन करता है। भगवान रामलला के भव्य मंदिर के मुख्य शिखर पर जब धर्मध्वज फहराया जाएगा, तो वह न केवल शताब्दियों के संघर्ष, सामाजिक जागरण और आध्यात्मिक तप की परिणति का सम्मान होगा, बल्कि यह घोषणा भी होगी कि 'धर्म की विजय अनिवार्य है और मर्यादा ही जीवन और शासन की सर्वोच्च कसौटी है।'

महाभारत में प्रत्येक महारथी का ध्वज उसके चरित्र, संकल्प और आराध्य के प्रतीक के रूप में वर्णित होता है।अर्जुन का कपिध्वज, जिस पर हनुमान अंकित हैं; भीष्म का पलाश ध्वज; और कर्ण का धर्मचक्र युक्त ध्वज,ये सब अपने-अपने योद्धा के आदर्शों और निष्ठाओं की सार्वजनिक घोषणा करते हैं। ध्वज वहाँ केवल पहचान नहीं, बल्कि यह संकेत है कि किसके रथ से किस प्रकार का धर्म, किस प्रकार की नीति और कैसी दृष्टि जुड़ी है।अयोध्या में आज का धर्मध्वज इसी ध्वज-परंपरा के विस्तार के रूप में देखा जा सकता है, जो यह संदेश देता है कि यह स्थल धर्म का पक्षधर, सत्य का रक्षक और जनमानस का प्रेरक केंद्र है। ध्वज का केसरिया रंग त्याग, वीरता और आध्यात्मिक उत्कर्ष का सूचक है, जो आधुनिक भारत को भी अपने कर्तव्य और चरित्र के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है।

पुराणों और अगम शास्त्रों में देवालय-निर्माण को एक दीर्घ साधना माना गया है, जिसकी स्थापत्य-पूर्णता ध्वज-स्तंभ और ध्वज-आरोहण से मानी जाती है। शास्त्रीय परंपरा में यह माना गया है कि ध्वज आरोहण के साथ ही मंदिर केवल भवन न रहकर पूर्ण रूप से देव-आलय बनता है, जहाँ देवता की सत्ता, भक्त की भक्ति और समाज की श्रद्धा त्रिवेणी की तरह मिलती है।दक्षिण भारत के अनेक मंदिरों में ब्रह्मोत्सव की शुरुआत ध्वज-फहराने से होती है, जिसे देव-जागरण और उत्सव-चक्र के प्रारंभ का क्षण माना जाता है। उसी भावभूमि में अयोध्या के नए भव्य मंदिर में धर्मध्वज-रोहण यह उद्घोष करेगा कि 'रामलला अब जागृत, प्रतिष्ठित और राष्ट्र-जीवन के केंद्रीय आराध्य रूप में विधिवत विराजित हैं।'

कौटिल्य के अर्थशास्त्र में ध्वज और राजचिह्नों को राज्य की प्रतिष्ठा, संप्रभुता और प्रजा के विश्वास से जोड़ा गया है; राजकोश, सेना और न्याय-व्यवस्था की स्थिरता इन्हीं प्रतीकों के माध्यम से जनता के सामने विश्वास-रूप में प्रकट होती है। आधुनिक लोकतांत्रिक भारत में जब राममंदिर के शिखर पर धर्मध्वज स्थापित होता है, तो वह किसी राजनीतिक वर्चस्व का नहीं, बल्कि धर्माधारित न्याय, सामाजिक समरसता और जनकल्याणकारी शासन के आदर्शों का बोध कराता है।प्रधानमंत्री की उपस्थिति में होने वाला यह ध्वजारोहण इस तथ्य का भी द्योतक है कि राज्यसत्ता स्वयं को रामराज्य के मूल तत्व-न्याय, दया, सुरक्षा और न्यूनतम भय वाले समाज से प्रेरणा ग्रहण करने की सार्वजनिक घोषणा कर रही है। इस अवसर के लिए की जा रही व्यापक सुरक्षा और व्यवस्थागत तैयारियाँ यह दिखाती हैं कि आस्था और प्रशासनिक उत्तरदायित्व एक-दूसरे के पूरक रूप में सामने आ रहे हैं।

अयोध्या का ध्वजारोहण उत्सव पूरे भारत में एक सांस्कृतिक नवजागरण की अनुभूति जगा रहा है, जहाँ करोड़ों लोग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस समारोह से भावनात्मक रूप से जुड़ रहे हैं। प्राणप्रतिष्ठा से लेकर धर्मध्वज-रोहण तक, अयोध्या में आने वाले करोड़ों श्रद्धालु इस निरंतर यात्रा के साक्षी हैं। भव्य राम मंदिर ने अयोध्या को वैश्विक आस्था-केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया है।जब केसरिया धर्मध्वज अभिजीत मुहूर्त में आकाश में लहराएगा,तब वह केवल एक मंदिर,एक नगर या एक तीर्थ के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत के लिए यह संदेश देगा कि 'धर्म ऊँचा है, मर्यादा ऊँची है, और यह ध्वज हमारी सामूहिक आत्मा की ऊँचाई का प्रतीक है।' यह दिन आने वाली पीढ़ियों के लिए भी राष्ट्रीय-सांस्कृतिक स्मृति का स्थायी संदर्भ बिंदु बनकर उभरेगा।

अतः हम कह सकते है कि अयोध्या श्रीरामलला मंदिर में ध्वजारोहण उस सनातन सत्य का पुनः उद्घोषणा है कि ध्वज केवल प्रतीक नहीं, जीवित चेतना है, जो समाज को उसकी जड़ों, मूल्यों और ध्येय से जोड़े रखती है।अब अयोध्या केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारतीय मानस का अक्षय आस्था-केंद्र है, जहाँ रामध्वज मर्यादा, न्याय, सदाचार और करुणामय शक्ति का शाश्वत संदेश बनकर युगों-युगों से स्थित है।जो धर्मध्वज इस दिन अयोध्या के आकाश में उठेगा, वह मानो समूचे भारत से यह कहता प्रतीत होगा कि 'रामराज्य के आदर्श आज भी जीवित हैं, और यह ध्वज उन्हें और अधिक ऊँचाई पर प्रतिष्ठित करने का हमारा सामूहिक संकल्प है।'

लेखक: **प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश**

आंचलिक

यूनिवर्सिटी की बस ने बाइक सवारों को कुचला, मां-बेटे और पोते की मौत

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● सोमवार शाम सनावद रोड पर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। तेज रफ्तार अभ्युदय विश्वविद्यालय की बस ने बाइक को टक्कर मार दी। मरने वालों में मां, बेटा और पोता शामिल हैं। यह घटना गोगांवा थाना क्षेत्र के अंदड़ और मछलगांव के बीच शाम करीब 6 बजे हुई। परिवार के सदस्य रामपुरा लौट रहे थे, तभी सनावद की ओर से खरगोन जा रही विश्वविद्यालय की बस ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी।

मां, बेटे और पोती की मौत

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान रामपुरा निवासी 22 वर्षीय अरुण बड़ोदे, उनकी 50 वर्षीय मां बदलबाई पति गुमानसिंह बड़ोदे और 9 वर्षीय पोती राज पिता पप्पू बड़ोदे के रूप में हुई। वहीं, 9 वर्षीय टकू पिता पप्पू बड़ोदे गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत खरगोन जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद बस ड्राइ?र मौके से फरार हो गया।

बड़े भाई के घर कार्यक्रम से लौट रहा था परिवार

जानकारी के मुताबिक, अरुण बड़ोदे बेड़िया में बड़े भाई जितेंद्र के यहां चतुर्थी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए परिवार के साथ गया था। वहां से दोपहर बाद घर रामपुरा लौट रहा था। रास्ते में हादसा हो गया।

13 एकड़ में बनेगा 'नमो वन', एक लाख पौधे रोपेंगे, महापौर ने मियावाकी पद्धति से की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा 'नमो वन' विकसित किया जा रहा है। सिविल लाइंस क्षेत्र में कलेक्टर बंगले के पास 13 एकड़ जमीन पर यह वन तैयार होगा, जहां 1 लाख से अधिक पौधे रोपे जाएंगे। रविवार को महापौर अमृता यादव ने मियावाकी पद्धति से पौधारोपण कर इस अभियान का आगाज किया। पहले दिन एक हजार पौधे रोपे गए। नमो वन परिसर से अभियान की शुरुआत की गई। महापौर अमृता यादव ने आम लोगों के साथ मिलकर मियावाकी पद्धति (घने जंगल उगाने की तकनीक) से एक हजार पौधे रोपे। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पौधे पर ट्री गार्ड भी लगाया गया है।

20 लाख की लागत, पाथवे भी बनेगा- नगर वन योजना के तहत निगम द्वारा 13 एकड़ में नमो वन विकसित करना प्रस्तावित है। पहले चरण में 5 एकड़ में पौधारोपण किया जा रहा है। करीब 20 लाख रुपए की लागत से यह नमो वन विकसित होगा। यहां पाथवे भी बनाया जाएगा ताकि लोग यहां सुबह-शाम घूम सकें।

कॉलोनाइजर भी लगाएंगे पौधे- फिलहाल 2 हजार पौधारोपण के साथ वन का शुभारंभ हो चुका है। आने वाले समय में यहां जल्द एक नया जंगल आकार लेगा। योजना के तहत, निगम द्वारा कॉलोनाइजरों से कॉलोनी का काम पूरा होने पर इस नमो वन में 2 हजार से अधिक पौधे लगवाए जाएंगे।

महापौर बोलीं- जीवन में एक पेड़ जरूर लगाए- कार्यक्रम में महापौर यादव ने कहा, 'हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ अपने जीवन में जरूर लगाना चाहिए। आज ये संकल्प लें कि एक एक पेड़ हम सभी आने वाले दिनों में लगाएंगे। इसके साथ ही अपने रिश्तेदारों को भी पेड़ लगाने व उसकी रक्षा करने के लिए प्रेरित करेंगे। सबसे जरूरी है कि पेड़-पौधे लगाने के बाद उनका संरक्षण करना भी अनिवार्य है।'

20 लाख के नकली नोट छापने वाला डॉक्टर, बुरहानपुर जिला अस्पताल में आरएमओ रह चुका

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● एक मदरसे में मिले 20 लाख के नकली नोट के मामले में खंडवा पुलिस ने भोपाल से मास्टरमाइंड समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मास्टरमाइंड डॉ. प्रतीक नवलखे और उसके दोनों साथी भोपाल की गोकुलधाम सोसाइटी में एक ट्रैवल एजेंसी की आड़ में नकली नोट छापते थे। पकड़े गए आरोपियों के पास से 15 चेकबुक और 32 एटीएम सहित नकली नोट भी जब्त हुए हैं। ये लोग महाराष्ट्र में एक साथी (इमाम) के पकड़ाने के बाद फरार हो गए थे। 2 नवंबर को खंडवा के ग्राम पैठिया स्थित एक मदरसे में 19 लाख 78 हजार रुपए के नकली नोट मिले थे। जावर पुलिस ने यह कार्रवाई महाराष्ट्र के मालेगांव पुलिस के हत्थे चढ़े पैठिया मदरसे के इमाम जुबेर अंसारी की खबर मिलने पर की थी। पुलिस ने मदरसे में स्थित इमाम के कमरे की तलाश ली तो नकली नोटों से भरा बैग हाथ लगा। इसके बाद पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क कर इमाम से पूछताछ की। इस दौरान खुलासा हुआ कि वह इस गोरखधंधे में डॉ. प्रतीक नवलखे का पार्टनर है।

भोपाल में किराए के मकान में छिपे थे आरोपी- जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि मदरसे के इमाम को नकली नोट उपलब्ध कराने वाला डॉ. प्रतीक नवलखे निवासी बुरहानपुर हैं। इसी दौरान 22 नवंबर को सूचना मिली कि आरोपी डॉक्टर भोपाल मे गोपाल उर्फ राहुल के किराये के मकान मे छुपा हुआ हैं। 23 नवंबर को जावर टीम मौके पर पहुंची।

बुरहानपुर में अवैध हथियार सप्लाई का पर्दाफाश, गोलीकांड मामले में दो हथियार विक्रेता गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● एक युवक पर देशी कट्टे से हुए हमले के मामले में पुलिस ने अवैध पिस्टल बेचने वाले 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों पर अवैध देशी पिस्टल बेचने का आरोप है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो देशी पिस्टल भी जब्त की हैं। यह घटना 22 नवंबर को शहर के लालबाग थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन सागर टॉवर के पास हुई थी। चिंचाला निवासी सचिन पिता कैलाश माने पर तीन युवकों ने हमला किया था। उसे देशी पिस्टल से गोली मारी गई थी, जो उसके पेट में लगी थी। सचिन का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में रविवार को तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ में पता चला कि उन्होंने पांगरी के दो लोगों से अवैध पिस्टल खरीदी थी। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई की।

सीएम-मंत्री ने कलेक्टर-सीईओ से पूछा- अध्यक्ष कहां हैं? मंत्री विजय शाह के उपाध्यक्ष पुत्र मंच पर पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में सोमवार को जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को पुरस्कार दिए गए। इस क्षेत्र में खंडवा जिले ने देश में पहला स्थान पाया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल की मौजूदगी में सम्मान समारोह हुआ। इसी दौरान मंच पर कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत पहुंचे तो सीएम और मंत्री ने पूछा कि अध्यक्ष कहां हैं। करीब एक मिनट तक चर्चा चली, इसके बाद मंत्री विजय शाह के बेटे और जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित्य शाह मंच पर गए। सभी ने सामूहिक रूप से अवॉर्ड दिया। दरअसल, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े आए दिन सीईओ जिला पंचायत डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा और प्रशासन पर भेदभाव के आरोप लगाती रही हैं। उन्होंने कई बार सीएम और पंचायत मंत्री से शिकायत की थी। यहां तक वानखेड़े खुद के दलित होने का हवाला देकर प्रशासन पर पक्षपात और जिला पंचायत अध्यक्ष के अधिकारों के हनन का आरोप भी लगा चुकी हैं। कई दफा उन्होंने अनशन की चेतावनी भी दी। वहीं सोशल मीडिया पर खुलकर प्रशासनिक अधिकारियों पर कई आरोप लगाए हैं। ऐसे में बुलावे के बाद भी अध्यक्ष का राज्य स्तरीय कार्यक्रम में न पहुंचना सीएम और मंत्री को अचंभित कर गया। इस बारे में उन्होंने कलेक्टर ऋषव गुप्ता से जानकारी ली।

15 करोड़ से बनेगी कॉलेज की बिल्डिंग, मंत्री शाह ने भूमिपूजन किया

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● प्रदेश सरकार में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने सोमवार को खंडवा जिले के खालवा में कई विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। खालवा में 14 करोड़ 97 लाख रुपए लागत के शासकीय कॉलेज की बिल्डिंग निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। वहीं ग्राम बूटीढाना से बूटी पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य और ढिमारिया से गुलाईमाल पहुंच मार्ग का भूमिपूजन किया। मंत्री शाह ने खालवा कॉलेज के लिए 100 सीटर छात्रावास भवन स्वीकृत करवाकर उसका निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने के लिए भी ग्रामीणों को आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधरी है और महिलाएं आत्मनिर्भर हुई हैं। सरकार ने हाल ही में लाड़ली बहना योजना के तहत दी जाने वाली राशि बढ़ाकर 1500 रुपए प्रतिमाह की है।

मंत्री शाह ने गिनाई सरकार की योजनाएं

मंत्री विजय शाह ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। पहले गरीबों को इलाज के लिए रकम गिरवी रखकर राशि उधार लेना पड़ती थी। अब सरकार ने 5 लाख रुपए तक के इलाज की फ्री सुविधा गरीब परिवारों को उपलब्ध कराई है। शाह ने आगे कहा कि शासकीय छात्रावासों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के फेल हो जाने पर अगले साल उन्हें छात्रावास में प्रवेश नहीं मिलता था। सरकार ने ऐसे विद्यार्थियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया है कि अब एक बार फेल हो जाने के बाद भी विद्यार्थी को छात्रावास में प्रवेश की सुविधा दी जाएगी। इससे जनजातीय वर्ग के छात्रों को राहत मिलेगी। कार्यक्रम में खालवा की जनपद अध्यक्ष सोनता बाई, जिला पंचायत सदस्य प्रमिला बाई, भाजपा जिला महामंत्री संतोष सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और स्थानीय अधिकारी मौजूद रहे।

ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर की प्रियंका वर्ल्ड कप भारतीय जूनियर महिला टीम मे चयन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने बताया कि 25 से 13 नवंबर 2025 तक चिली के सेंटियागो मे आयोजित होने वाले जूनियर महिला वर्ल्ड कप के लिए हॉकी इंडिया द्वार 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषित की जिसमे ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर इंदौर की अन्तरराष्ट्रीय खिलाडी प्रियंका यादव का भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम मे चयन हुआ टीम के मुख्य कोच तुषार खांडेकर है प्रियंका यादव का भारतीय टीम मे लगातार यहा चौथी बार चयन हुआ है प्रियंका यादव के कोच मो याकुब अंसारी है। अंसारी के कोचो मे प्रियंका ने ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर के चिमनबाग हॉकी मैदान पर हॉकी खेलने सीखी थी पूर्व ओलंपियन स्वं शंकर लक्ष्मण व पूर्व

अन्तरराष्ट्रीय खिलाडी मीररंजन नेगी के बाद हॉकी खेल मे पहली महिला खिलाडी है जिनका चयन वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ। भारतीय टीम को पुल सी मे रखा गया है।भारतीय टीम का पहले मैच 1 दिसंबर को नामीबिया के विरुद्ध होगा व 3 दिसंबर को जर्मनी से व 5 दिसंबर को आयरलैंड से मैच होगा प्रियंका यादव के चयन पर हॉकी इंदौर एसोसिएशन के अध्यक्ष व विधायक रमेश मन्दौला, ओम सोनी, मध्यप्रदेश ओलंपिक के महासचिव दिग्विजय सिंह, हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव लोक बहादुर, डॉ एके दास, मो इस्माईल अंसारी, शिवकुमार चौहान, दीपक पटेरिया, नजमुदीन खुर्शीद, अतुल खुणे, नितिश गौड, गुलाम साबिर, अभिषेक यादव, अयुब खान, दीपक यादव, आंनद यादव, शेली शर्मा,अदिति कसेरा, जयेश व्यास नवेद अंसारी आदि हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

नई पीढ़ी केवल वर्तमान सितारों से जुड़ाव रखती है: विवेक ओबरॉय

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता विवेक ओबरॉय कहा कि आने वाले समय में शाहरुख खान जैसे दिग्गजों को भी लोग उतना याद नहीं रखेंगे। चर्चा में विवेक ने कहा, '1960 में कौन सी फिल्में आईं, किसने काम किया आज पूछो तो किसी को फर्क नहीं पड़ता। समय के साथ आप इतिहास से बाहर कर दिए जाते हैं। हो सकता है 2050 में लोग कहें कौन शाहरुख खान?' उनके इस बयान ने चर्चा जरूर पैदा की, लेकिन विवेक ने अपनी बात को यह कहते हुए और स्पष्ट किया कि यह हर इंसान के साथ होता है, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो। उन्होंने उदाहरण के तौर पर महान फिल्मकार और अभिनेता राज कपूर का नाम लिया। विवेक बोले, 'मैं और आप राज कपूर को सिनेमा का भगवान मानते हैं, लेकिन अगर आप किसी यंगस्टर से पूछें, जो रणबीर कपूर का फैन है, तो शायद वह राज कपूर के बारे में ज्यादा नहीं जानता होगा।'

जूनियर विश्वकप के मैच मुफ्त में देख सकेंगे प्रशंसक : हॉकी इंडिया

मदुरै (एजेंसी) ● अब प्रशंसक इसी माह 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक यहां होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी के मैचों को मुफ्त में देख सकते हैं। हॉकी इंडिया ने इस टूर्नामेंट के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा कर दी है। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा लक्ष्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलने के साथ ही प्रंशसक का रुझान खेल की ओर बढ़ाना है। वर्चुअल फ्री टिकट टिकट हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

यान्सन ने बनाया रिकार्ड

गुवाहाटी (एजेंसी) ● दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सन ने भारतीय टीम के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 93 रनों की पारी के दौरान सबसे अधिक छक्के लगाने का एक अहम रिकार्ड बना दिया। यान्सन अब भारत के खिलाफ एक टेस्ट पारी में भारत में ही सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। इस प्रकार येन्सन ने वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर विव रिचर्ड्स का भी रिकार्ड तोड़ा।

येन्सन ने अपनी इस 93 रनों की पारी में 7 छक्के लगाए। ये भारत के खिलाफ भारत में एक पारी में लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले विव रिचर्ड्स ने साल 1974 में दिल्ली टेस्ट में 6 छक्के लगाए थे। रिचर्ड्स के अलावा ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने भी भारत के खिलाफ एक पारी में 6 छक्के लगाये हैं। उन्होंने यह रिकार्ड साल 2001 में चेन्नई टेस्ट के दौरान किया था, जब उन्होंने 203 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में विव रिचर्ड्स अब दूसरे नंबर पर हैं उनके 6 छक्के हैं। वहीं मैथ्यू हेडन के नाम 6 और इयान बोथम व इमरान खान के नाम 5-5 छक्के हैं।

एक साल में 9 हिट फिल्में, दिल भी तेरा हम भी तेरे से शुरू हुआ करियर

मुंबई (एजेंसी) ● धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में अपने जुहू स्थित घर पर ही अंतिम सांस ली है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने 12 नवंबर को ही ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल से परिवार के कहने पर डिस्चार्ज किया गया था। इसके बाद से घर पर ही उनका इलाज चल रहा था। करण जौहर ने धर्मेंद्र के निधन की पुष्टि करते हुए आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से उन्हें श्रद्धांजलि दी है। करण जौहर ने लिखा कि यह एक युग का अंत है, एक विशाल मेगास्टार, मुख्यधारा के सिनेमा में एक सच्चे हीरो की पहचान, अविश्वसनीय रूप से हैंडसम और रहस्यमयी स्क्रीन प्रेजेंस वाले। वह हैं और हमेशा रहेंगे भारतीय सिनेमा के एक सच्चे दिग्गज। सिनेमा के इतिहास के पन्नों में उनका नाम सदैव चमकता रहेगा। पर सबसे बढ़कर, वह एक बेहतरीन इंसान थे। हमारी इंडस्ट्री में हर कोई उनसे बेहिसाब प्यार करता था। उनके दिल में हर किसी के लिए सिर्फ प्यार और सकारात्मकता थी। उनका आशीर्वाद, अद्भुत स्नेह, इन सबकी कमी को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। आज हमारी इंडस्ट्री में एक ऐसा खालीपन है। जिसे कोई भी कभी भर नहीं सकेगा। वह हमेशा के लिए एक और एकमात्र धरमजी रहेंगे। धर्मेन्द्र का जन्म पंजाब के फगवारा में 08 दिसंबर 1935 को हुआ था। उन्होंने वर्ष 1960 में प्रदर्शित फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से अपने सिने करियर की शुरूआत की थी। धर्मेंद्र ने अपने छह दशक लंबे सिने करियर में 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था। उनके नाम एक साल में नौ हिट फिल्में देने का रिकार्ड है।

उज्जैन संभाग

ट्रेन में किन्नरों ने महिला यात्रियों से की हाथापाई, चलती ट्रेन से फेंकने की धमकी; विवाद बढ़ते ही कूदकर भागे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन-नागदा के बीच ट्रेन में किन्नरों के ग्रुप द्वारा आए दिन यात्रियों से जबरन वसूली की शिकायतें आती रहती हैं। रविवार को किन्नरों के इसी ग्रुप ने महिला यात्री और उसकी बेटी के साथ चलती ट्रेन में हाथापाई की और उन्हें ट्रेन से फेंक देने की धमकी दी। विवाद बढ़ा तो सभी किन्नर चलती ट्रेन से फरार हो गए। घटना से जुड़ा वीडियो वायरल हुआ है। नागदा में गाड़ी नंबर 19489 गोरखपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच में रतलाम से उज्जैन की यात्रा कर रही भोई मोहल्ला, रतलाम निवासी मनीषा पति जुझार अपनी 17 वर्षीय बेटी छाया के साथ सामान्य कोच में यात्रा कर रही थीं। उन्होंने बताया कि नागदा से चढ़े दोनों किन्नर मुझ सहित बाकी यात्रियों से गाली-गलौज करते हुए रुपए मांगते रहे थे लेकिन सब देखते रहे, किसी ने कुछ नहीं कहा। मुझसे विवाद करते हुए किन्नर ने मुझे ट्रेन से फेंकने की धमकी दी। हाथापाई करते हुए वह मुझ पर झूल गई। विवाद बढ़ने पर दोनों किन्नर नागदा आउटर पर चलती ट्रेन से कूदकर भाग गए। नागदा स्टेशन पर हुई वारदात के बाद शनिवार को पीड़िता महिला ने उज्जैन जीआरपी को आवेदन दिया।

निजी अस्पताल ने शव नहीं रखने दिया, रिश्तेदारों के आने तक बच्चों के साथ एम्बुलेंस में लाश लेकर बैठी रही

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन-इंदौर रोड स्थित पामेचा अस्पताल के प्रबंधन पर शव को अस्पताल में नहीं रखने देने का आरोप लगा है। क्षेत्रीय पार्षद जितेंद्र गब्बर कुवाल ने करीब तीन घंटे तक शव को एम्बुलेंस पर रखने और परिजन से अमानवीय व्यवहार करने का आरोप लगाया है। मामले का वीडियो सामने आने के बाद सोमवार को सीएमएचओ ने जांच के आदेश दिए हैं। पार्षद जितेंद्र गब्बर कुवाल ने बताया कि आगर मालवा की रहने वाली शीतल भोला के पति रितेश भोला (41) को सीने में दर्द की शिकायत के बाद पामेचा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को रितेश की मौत के बाद डॉक्टरों ने शव को बाहर ले जाने को कह दिया।

दो छोटे बच्चों के साथ दुखी महिला ने डॉक्टर से आग्रह भी किया कि उनके परिजन ग्वालियर से आ रहे हैं, इसलिए कुछ घंटे शव को अस्पताल में ही रखे

रहने दें। इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने अमानवीय व्यवहार करते हुए शव को अस्पताल से बाहर निकलवा दिया।

परिजन के आने के बाद शव को ले गए

पार्षद कुवाल ने बताया कि करीब तीन घंटे तक शव अस्पताल के बाहर एम्बुलेंस में ही रखा रहा। सूचना मिलने पर मैं मौके पर पहुंचा और डॉक्टर से कुछ घंटे शव को अस्पताल में रखने का निवेदन किया, लेकिन वे नहीं माने। ग्वालियर से परिजन के आने के बाद महिला करीब 10 बजे शव ले गई, तब तक शव एम्बुलेंस में ही रखा रहा।

बेटी बोली- डॉक्टरों ने बदसलूकी भी की

मृतक रितेश की बेटी परी भोला ने बताया कि पापा को सुबह से सीने में दर्द हो रही थी। हमने आगर अस्पताल में बताया तो उन्होंने उज्जैन के पामेचा अस्पताल ले जाने को कहा। इसके बाद पापा खुद गाड़ी चलाकर अस्पताल पहुंचे। यहां करीब दो घंटे तक भर्ती रहे। फिर अस्पताल प्रबंधन ने हमें उनकी मौत की सूचना दी। इसके बाद लगातार वे हम पर अस्पताल से बॉडी ले जाने का दबाव बनाते रहे। करीब 9 बजे उन्होंने हम सबको अस्पताल से बाहर करते हुए पापा की बॉडी को बाहर कर दिया। हमने पापा की बॉडी ले जाने के लिए एम्बुलेंस मंगवाई थी। बॉडी को उसमें करीब तीन घंटे तक रखना पड़ा।

अवैध मुरम ले जाने पर डंपर जब्त, उत्खनन करने वाली पोकलेन भी पकड़ी

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिले में मालीखेड़ी रोड पर नाग मंदिर के पास अवैध खनन करते हुए एक पोकलेन मशीन और एक डंपर जब्त किया गया। प्रशासन को अवैध खनन की सूचना मिली थी, जिसके बाद तत्काल छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान डंपर को जब्त कर थाने ले जाया गया। पोकलेन मशीन की चाबियां अधिकारियों ने मौके पर ही जब्त कर ली थीं, लेकिन सोमवार शाम को पोकलेन मशीन घटनास्थल से गायब मिली।

डंपर में मुरम भरी थी

एसडीएम मिलिंद ढोके को मालीखेड़ी रोड पर अवैध उत्खनन की सूचना मिली थी। उन्होंने नायब तहसीलदार गिरीश सूर्यवंशी को टीम के साथ मौके पर भेजा। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद खनिज विभाग के अधिकारी

भी पुलिस बल के साथ पहुंचे। उन्होंने पोकलेन को खनन करते हुए और डंपर को मुरम भरकर ले जाते हुए पाया।

पोकलेन शाजापुर के रहवासी की

खनिज अधिकारी शिवप्रताप सिंह ने बताया कि मालीखेड़ी रोड पर नाग मंदिर के पास अवैध उत्खनन में शामिल पोकलेन और डंपर को जब्त किया गया है। पोकलेन शाजापुर निवासी किसी व्यक्ति की बताई जा रही है, जबकि जब्त किया गया डंपर बिना नंबर का है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार : कलेक्टर को मिशन डायरेक्टर ने भेजा सराहना पत्र

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● प्रिवेंटिव हेल्थ, न्यूट्रीशन एंड फिटनेस के लिए 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए गए स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत उज्जैन जिले में अच्छा काम हुआ। अभियान के तहत 24.19 प्रतिशत महिलाओं की स्क्रीन करते हुए उन्हें चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई है। इस उल्लेखनीय कार्य पर नेशनल हेल्थ मिशन के डायरेक्टर डॉ. सलोनी सिदाना ने कलेक्टर रोशन कुमार सिंह को सराहना पत्र दिया है।

इंजीनियरिंग कॉलेज में हंगामा, कक्ष में घुसे तीन व्याख्याता, गड़बड़ी के दस्तावेज खुर्दबुर्द करने का शक, प्राचार्य ने पुलिस बुलाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में रविवार देर रात उस समय हंगामा मच गया जब तीन व्याख्याता बिना अनुमति कॉलेज के एक कक्ष में घुस गए। प्राचार्य जेके श्रीवास्तव ने पुलिस को दी शिकायत में आशंका जताई है कि तीनों व्याख्याता महत्वपूर्ण दस्तावेजों में हेरफेर करने के इरादे से पहुंचे थे। सूचना पर रात में ही पुलिस मौके पर पहुंची और कक्ष को सील कर कार्रवाई शुरू की। कॉलेज के गार्ड और सुपरवाइजर राजेश गोसर ने रात करीब 11 बजे प्राचार्य श्रीवास्तव को फोन कर बताया कि व्याख्याता एमएल ठाकुर, एससी सोलंकी और एचके पटेल बिना अनुमति कॉलेज में प्रवेश कर एक कक्ष में कुछ दस्तावेज देख रहे हैं। यह सुनते ही प्राचार्य ने तुरंत डायल-100 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया।

कक्ष और लैपटॉप बैग सील

पुलिस पहुंचते ही संदिग्ध गतिविधि वाले कक्ष को सील किया गया और वहां रखा एक

लैपटॉप बैग भी पुलिस ने संरक्षण में लेते हुए सील किया। इसके बाद तीनों व्याख्याताओं को पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया।प्राचार्य श्रीवास्तव ने पुलिस को लिखित शिकायत भी दी, जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में संभावित हेरफेर की आशंका व्यक्त की है।

रात 2:30 बजे फिर पहुंचे प्रोफेसर

प्राचार्य के अनुसार रात करीब 2:30 बजे प्रोफेसर पेंढ़ारकर के नेतृत्व में 8-10 लोग फिर से कॉलेज आए और गार्ड की मौजूदगी में पहले से सील किए गए कक्ष और बैग को दोबारा सील किया। प्राचार्य ने इस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए सोमवार को थाना प्रभारी को एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन देने की बात कही है।

व्याख्याताओं ने कहा-भोपाल से कागज मांगे थे

विवाद में फंसे प्रोफेसरों का कहना है कि उन लोगों से भोपाल से कुछ जानकारी के दस्तावेज मांगे गए थे। वे केवल वही कागज लेने कॉलेज पहुंचे थे। इसके बाद वे नियमित रूप से परीक्षा के पेपर सेट करने बैठ गए, क्योंकि कॉलेज में 1 दिसंबर से परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कॉलेज में सभी कर्मचारियों के अपने चैंबर हैं और प्रवेश के लिए किसी विशेष अनुमति की आवश्यकता नहीं होती।

एसडीएम ने एसआईआर कार्य का निरीक्षण किया, काम समय पर पूरा करने और फॉर्म जमा करने के निर्देश दिए

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को गति देने के लिए प्रशासन सक्रिय है। इसी कड़ी में सुसनेर के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सर्वेश यादव ने ग्राम परसूलियाकलां में एसआईआर गतिविधियों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम यादव ने बीएलओ से घर-घर गणना पत्रों के वितरण, भरे हुए फॉर्मों की प्राप्ति और उनके डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गंभीरता से पूरे किए जाएं, ताकि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया में कोई त्रुटि या मतदाता शिकायत न हो। एसडीएम ने गांव के मतदाताओं से भी संवाद किया और उनसे अपील

की कि वे बीएलओ द्वारा दिए गए गणना पत्रों को सही भरकर समय पर जमा करें। उन्होंने जोर दिया कि मतदाता सूची में शुद्धता तभी सुनिश्चित होगी जब प्रत्येक योग्य मतदाता की जानकारी समय पर दर्ज की जाएगी। इस निरीक्षण के दौरान तहसीलदार रामेश्वर दांगी, ग्राम के पटवारी और सचिव भी उपस्थित थे। अधिकारियों ने चल रहे कार्य की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बीएलओ को सहयोग और समन्वय से कार्य पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

न्यूज ब्रीफ

केन्याई नागरिक के वीजा मामले के बाद जागी पुलिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के एमआईजी इलाके के गायत्री नगर में रह रहे केन्याई नागरिक रिचर्डसन का मामला एक बार फिर चर्चा में है। सोमवार सुबह वरिष्ठ अधिकारियों को उसके बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने पूछताछ शुरू की। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने माना कि इस पूरे मामले में स्थानीय पुलिस से गंभीर चूक हुई है। अब शहर में रह रहे विदेशी नागरिकों का रिकॉर्ड दोबारा खंगाला जा रहा है। एडिशनल डीसीपी दंडोतिया के अनुसार जांच में पाया गया कि रिचर्डसन का पासपोर्ट वैध है, लेकिन उसका वीजा वर्ष 1996 में खत्म हो चुका था। इसी आधार पर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। कोर्ट की सख्ती के चलते उसे इंदौर छोड़ने की अनुमति नहीं थी, इसलिए वह यहीं रहकर नियमित रूप से अदालत में पेश होता था। रिचर्डसन पर 2018 में पहली बार कार्रवाई की गई थी। तब यह सामने आया कि वह वीजा समाप्त होने के बाद भी वर्षों से इंदौर में रह रहा है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की जनसुनवाई 28 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया किशोर रहाटकर का 28 नवम्बर को इंदौर दौरा प्रस्तावित है। आयोग द्वारा 28 नवम्बर को 'राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार-महिला जन सुनवाई' तथा इंदौर संभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की जायेगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती श्रीमती विजया किशोर रहाटकर की अध्यक्षता में प्रात: 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक रेसीडेंसी कोठी के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की जायेगी। बैठक में इंदौर संभाग के सभी जिला कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगर निगमों के आयुक्त तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ जिला अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

अब अवैध वसूली पर लगेगी रोक, जारी होंगे ऑनलाइन नोटिस

30 नवंबर तक एआरओ अपने जोन क्षेत्र में संपतियों की तैयार करें सूची

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आयुक्त दिलीप कुमार यादव द्वारा सोमवार को सीटी बस कार्यालय में राजस्व, जलप्रदाय, सीवरेज, उद्यान एवं स्वास्थ्य विभाग की विस्तृत मैराथन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें बिल्डिंग परमिशन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वो केवल संबंधितों को ऑनलाइन नोटिस जारी करें। आयुक्त यादव ने पिछले 15 दिवस से चल रहे जोनवार राजस्व वसूली शिविरों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। सभी झोन में बड़े बकायादारों की अद्यतन सूची तैयार कर वसूली कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

30 नवंबर के बाद होगी कार्रवाई-आगामी 30 नवंबर तक सभी सहायक राजस्व अधिकारियों को अपने झोन/वार्ड में स्थित व्यावसायिक व आवासीय संपत्तियों की संपूर्ण सूची तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि निरीक्षण के दौरान सूची से इतर संपत्तियां मिलने पर संबंधित सहायक राजस्व अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। इसके साथही प्रत्येक वार्ड में संपत्ति कर खातों एवं जलकर खातों की

संख्या का मिलान कर असमानता पाए जाने पर वार्ड का गहन निरीक्षण कर निजी/सार्वजनिक बोरिंग, नल कनेक्शन एवं जलापूर्ति के स्रोतों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। वार्ड 09 में सोमवार प्रात: निरीक्षण के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी अनुपस्थित पाए जाने पर उनके 3 दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में ऑफलाइन भुगतान या नकद रसीद जारी नहीं ली जाएगी। राजस्व कर, शुल्क व स्पॉट फाइन की वसूली केवल ऑनलाइन एवं मशीन के माध्यम से ही ली जाना सुनिश्चित की जावे। साथ ही भवन अधिकारी व निरीक्षक को नोटिस केवल ऑनलाइन माध्यम से जारी करने और यूनिपोल/लॉलीपॉप आदि संरचनाओं की निगम, स्मार्ट सिटी एवं एआईसीटीसीएल द्वारा उपलब्ध सूची के अनुसार नंबरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उद्यानों के विकास का बने मास्टर प्लान

आयुक्त ने उद्यान विभाग को निर्देशित किया कि सभी जोन/वार्ड में उद्यानों, डिवाइडर, मिडियन एवं रोटरी की कटाई-छंटाई, सौंदर्याकरण एवं संरक्षण कार्य की नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उद्यानों के विकास कार्य के पश्चात पौधारोपण, विद्युत पोल, ओपन जिम, पेवर ब्लॉक एवं अन्य सामग्री हेतु एक संपूर्ण कार्ययोजना (मास्टर प्लान) तैयार की जाए ताकि सभी कार्य नियमानुसार एवं व्यवस्थित रूप से संचालित हों। एमपीईबी लाइन एवं विद्युत लाइनों के पास स्थित पेड़ों की छंटाई कार्य संयुक्त समन्वय से किया जाए।

नई सीवरेज लाइन पर हो जियो टैगिंग-आयुक्त ने जोन वार जलप्रदाय एवं सीवरेज लाइन से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी उपयंत्री प्रात: कालीन निरीक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। जहां-जहां नई लाइन डाली जा रही है उसकी जीपीएस लोकेशन व जियो-टैगिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में लीकेज या अन्य समस्या की स्थिति में त्वरित समाधान किया जा सके।

जहां कचरा फेंक रहे, वहां लगाएं सीसीटीवी कैमरे-स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में आयुक्त ने निर्देशित किया कि शहर के खाली प्लॉट व बेक लेन में कचरा फेंकने वालों पर सख्त चालानी कार्यवाही की जाए। ऐसे स्थानों पर रह वासियों के माध्यम से एनजीओ समन्वय करते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाए। खाली प्लॉट के मालिकों से संपर्क कर बाउंड्री वॉल निर्माण सुनिश्चित किया जाए, और जानकारी न मिलने पर निगम का सूचना बोर्ड लगाया जाए, साथ ही शहरभर में अगले 7 दिनों में सीएंडटी वेस्ट हटाने का विशेष अभियान चलाया जाए। रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाते हुए प्रमुख चौराहों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए।

प्रदेश के नगरीय निकायों में काम करने वाले 80 हजार दैनिक वेतन भोगियों की नौकरी पर आंच!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश के नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद) में करीब 80 हजार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी काम करते हैं। अब इनकी नौकरी पर संकट मंडरा रहा है। एमपी वित्त विभाग के साल 2000 के 25 साल पुराने एक पत्र पर अब जाकर सरकार ने फिर से सख्ती शुरू कर दी है। सभी नगरीय निकायों से इन दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की जानकारी मांगी है। इंदौर नगर निगम में ही करीब आठ हजार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हैं।

एमपी शासन के नगरीय विकास और आवास विभाग मंत्रालय भोपाल से एक पत्र जारी हुआ है। यह पत्र उप सचिव प्रमोद कुमार शुक्ला ने भेजा है। यह पत्र सभी निगम आयुक्तों, सीईओ

नगर पालिका और सीईओ नगर परिषद को भेजा गया है। पहले अक्टूबर में और फिर नवंबर में दोबारा रिमाइंडर जारी किया गया है। इसमें 28 मार्च 2000 के बाद नियुक्त हुए दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को लेकर विस्तृत जानकारी मांगी गई है।

क्या है साल 2000 का शासन का पत्र-मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग ने 28 मार्च 2000 को एक पत्र जारी किया था। इस पत्र में सभी विभागों, संभागीय आयुक्तों और कलेक्टरों को दैनिक वेतन पर नियुक्ति न करने के निर्देश दिए गए थे।

यह पत्र तत्कालीन प्रमुख सचिव वित्त विभाग वी. एन. कौल के जरिए जारी हुआ था। इसमें लिखा था कि राज्य शासन द्वारा दैनिक वेतन पर नियुक्त कर्मचारियों को सेवा से हटाने का निर्णय लिया गया है। इसी के तहत कार्रवाई चल रही थी। शासन के जरिए 14 जनवरी 2000 को निर्देश जारी किए गए थे। इसके तहत सभी प्रकार की नई नियुक्तियां पर रोक लगा दी थी। इसलिए स्पष्ट किया जाता है कि दैनिक वेतन पर नियुक्ति नहीं की जाए।

यदि आवश्यकता हो तो इसका औचित्य सहित प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा जाए। यदि इसके बाद भी नियुक्ति की जाती है तो इसके भुगतान की वसूली संबंधित अधिकारी से की जाएगी।

मस्टर कर्मचारी संघ संयोजक संवाद प्रमुख प्रवीण तिवारी इस आदेश पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस आदेश से 80 हजार कर्मचारियों का भविष्य खतरे में है। पहले भी इस तरह का पत्र आया था, तब बातचीत कर इसे रुकवाया गया था। अब फिर यह पत्र जारी हुआ है। इंदौर निगम में ही आठ हजार से अधिक कर्मचारी हैं। खुद निगम का काम भी पूरी तरह प्रभावित हो जाएगा।

रिटायर्ड आईएएस नियाज खान ने रोजगार को लेकर फिर मुस्लिम समाज को दिया संदेशा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रिटायर्ड आईएएस नियाज खान ने मुस्लिम समाज के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी। उन्होंने कहा कि कट्टरता को अपनाने वालों को प्रगति नहीं मिलती। शिक्षा पाने वाले मुस्लिम दुनिया में ऊंचे ओहदों पर पहुंच सकते हैं। उनकी इस टिप्पणी पर सोशल मीडिया पर मिला-जुला रिएक्शन आया। चर्चा में आया कि शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ने की असली राह दिखाती है।

आईएएस नियाज खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर अपने विचार साझा किए। उनका साफ कहना है- 'मुस्लिम समाज में जिसने शिक्षा चुनी, वह लंदन-न्यूयॉर्क में मेयर, अमेरिका में गवर्नर या लेफ्टिनेंट गवर्नर तक बन पाया। लेकिन जो

केवल कट्टरता और अंधविश्वास की राह पर चला, उसकी प्रगति रुक गई, जीवन साधारण कामों तक सिमट कर रह गया। ' नियाज खान का मानना है कि शिक्षा मुस्लिम समाज के लिए रामबाण है। इसकी अहमियत समझना सबसे जरूरी है, क्योंकि यही सफलता दिला सकती है। उनकी पोस्ट को जमीयत उलेमा-ए-हिंद के मौलाना मदनी के हालिया बयान से भी जोड़ा जा रहा है, जिसमें भारतीय मुस्लिमों की सीमित प्रगति का जिक्र हुआ था। खान की पोस्ट पर प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रहीं। किसी ने समर्थन किया, तो किसी ने कहा- समझाने से कोई भी तुरंत नहीं समझता। कुछ ने यह भी जोड़ा कि शिक्षा हर समाज के लिए जरूरी है, न कि सिर्फ मुस्लिमों के लिए। पहले भी आईएएस नियाज खान चर्चा में रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने अफ्रीकी देशों में अंधविश्वास और बाबाओं के बढ़ते प्रभाव पर भी टिप्पणी की थी।

कक्षा 12वीं के 5 जनवरी और 10वीं के 6 से शुरू होंगे प्री-बोर्ड एग्जाम

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● एमपी बोर्ड द्वारा संचालित स्कूलों में 10वीं और 12वीं के प्री-बोर्ड एग्जाम की समय सारणी लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने जारी कर दी है। 12वीं के एग्जाम 5 जनवरी से भूगोल के पेपर और 10वीं के एग्जाम हिंदी के पेपर के साथ शुरू होंगे। डीपीआई के डायरेक्टर डीएस कुशवाहा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि टाइम-टेबल के अनुसार पेपर के समाप्त होने के बाद शिक्षक अगले दिन के पेपर की तैयारी स्कूल में कराएंगे। शेष विषयों की परीक्षा और व्यवसायिक विषयों की परीक्षा 6 से 13 जनवरी के बीच प्राचार्य अपने स्तर पर समय सारणी निर्धारित कर आयोजित करेंगे।

प्री-बोर्ड के परीक्षार्थियों को वार्षिक परीक्षा की तरह ही परीक्षा कक्ष में परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट के पूर्व उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा के दौरान 9वीं एवं 11वीं की कक्षाएं यथावत संचालित होंगी। परीक्षाओं के बाद मूल्यांकन कर छात्रों को कॉपियां दिखाई जाएंगी।

पेपर खत्म होने के बाद छात्रों को दूसरे दिन के पेपर की तैयारी कराएंगे टीचर

बोर्ड परीक्षा के पैटर्न पर होगी प्री-बोर्ड परीक्षा-प्री-बोर्ड परीक्षा के प्रश्न-पत्र माशिमं द्वारा जारी अंक योजना एवं बोर्ड परीक्षा के पैटर्न पर आधारित है। इसके पेपर सभी प्राचार्यों को विमर्श पोर्टल के माध्यम से परीक्षा दिवस के एक दिन पूर्व प्राचार्य लॉग इन पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

आईडीए संपदा शाखा का उजागर एक और खेला

फर्म आवंटित भूखंड में डायरेक्टर बदलाव में फंसाते है स्टांप ड्यूटी का पेंच

हितग्राही होते रहते परेशान, सेवा शुल्क अदा करने पर स्टांप ड्यूटी की नहीं पूछी जाती बात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण की संपदा शाखा की कारस्तानियों को उजागर करने की मुहिम को लेकर संपदा अधिकारी और संपदा शाखा से प्रताड़ित लोगों की लंबी फेहरिस्त खुलती जा रही हैं। दरअसल संपदा शाखा में नामांतरण, लीड रेंट, रजिस्ट्री और फ्री होल्ड के प्रकरणों को लेकर तो आम व्यक्ति जूते घिसते रहता हैं। लेकिन अब ऐसे मामले में सामने आ रहे हैं। जिसे लेकर संपदा विभाग की रिश्वतखोरी की परते खुलती जा रही हैं। दरअसल वह इसलिए क्योंकि इंदौर विकास प्राधिकरण से फर्म के नाम पर आवंटित भूखंडों के डायरेक्टर बदलने के नाम पर संपदा शाखा में बड़ा खेला पल रहा हैं। जिसे लेकर आवंटित प्लाट की कीमत के दो प्रतिशत स्टॉप ड्यूटी जमा करे जाने की बात करते हैं। अगर वो व्यक्ति सेवा शुल्क का भुगतान नहीं करता है ती उसे महीनों तक छोटे से काम के चक्कर पर चक्कर कटवाए जाते हैं।

क्या है मामला- संपदा विभाग के कतिपय अधिकारी की जादूगरी के ऐसे ही मामले हाथ लगे हैं। जिसके तहत आईडीए द्वारा फर्म के जाम पर आवंटित भूखंड के डायरेक्टर बदलने पर स्टॉप ड्यूटी पंजीयन कार्यालय में जमा करने की बात कही जाती हैं। पंजीयन शाखा को पत्र तक लिखा जाता है जिसके आधार डायरेक्टर बदलने वाली फर्म संचालक बेवजह परेशान होते रहते हैं।

क्या कहते हैं नियम-सूत्रों के अनुसार एक मामले के अनुसार विधि विशेषज्ञी और आईडीए के जानकारों का कहना है कि फर्म के नाम पर इंदौर विकास प्राधिकरण

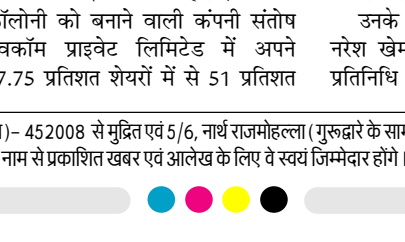

द्वारा आवंटित भूखंड के डायरेक्टर के नाम बदलने पर संबंधित व्यक्ति को स्टॉप ड्यूटी भुगतान का कोई प्रावधान ही नहीं है। जबकि इंदौर विकास प्राधिकरण की संपदा शाखा द्वारा पंजीयन कार्यालय में पत्र लिखते हुए इसकी जानकारी भी मांगी जाती है। सुझाव तक दिया जाता है जबकि इसे लेकर नियम कहते है कि डायरेक्टर बदलने के एवज में किसी भी तरह की स्टॉप ड्यूटी अदा नहीं की जाती हैं। वहीं दूसरी तरफ फर्म के डायरेक्टर पद छोड़कर दूसरा डायरेक्टर बदलने पर यह पूरी प्रक्रिया आपसी रहती है इसमें इंदौर विकास प्राधिकरण की संपदा शाखा का कोई लेना देना नहीं हैं। लिहाजा संपदा शाखा ऐसे आपसी मामलों में भी हस्तक्षेप करते हैं। ताकि उनका उल्लू सीधा हो जाए।

नियम नहीं लेकिन ये हो रहा खेला

दरअसल किसी भी फर्म के डायरेक्टर को बदलने के लिए स्टॉप ड्यूटी भुगतान किए जाने का कोई प्रावधान ही नहीं हैं लेकिन संपदा शाखा ऐसे मामलों में सिर्फ में पंच इसीलिए फंसाते है ताकि उनका मतलब सिद्ध हो जाएं। क्योंकि अगर कोई व्यक्ति स्टांप ड्यूटी का भुगतान भी कर देता है और संपदा अधिकारी की सेवा नहीं करता है तो फिर उसे अंतरण शुल्क की भी डिमांड की जाती हैं। सीधी बात बोली जाए तो उस व्यक्ति को सेवा शुल्क अदा नहीं करने के एवज में स्लग अलग शुल्कों के नाम पर गड्ढे में डाला जाता है।

300 करोड़ से अधिक कीमत की विवादित महालक्ष्मी धाम कॉलोनी में खरीदी-बिक्री पर लगी रोक!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जमीन के जादूगरों से भरे हुए इंदौर में अब 300 करोड़ से ज्यादा कीमत की ग्राम लिम्बोदी की महालक्ष्मी धाम कॉलोनी उलझ गई है। लंबे समय से इस कॉलोनी को लेकर डेवलपर्स के बीच में ही आपसी विवाद चल रहा है। आखिर में सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल यहां प्लॉट की खरीदी-बिक्री पर रोक लगा दी है। कॉलोनी ग्राम लिम्बोदी तहसील व जिला इंदौर के खसरा क्रमांक 240/3/2, 240, 1/2, 240/2/1/1, 240/6/2, 240/1/1, 240/4, 240/5, 240/6/1, 240/2/1, 240/2/2 एवं 240/3/1 कुल रकबा 10.462 हेक्टयर पर है।

कॉलोनी पर सुनील मंदवानी ने जारी की सूचना-इस मामले में कॉलोनी से जुड़े हुए सुनील मंदवानी पिता ताराचंद मंदवानी ने अधिवक्ता के जरिए एक लंबी-चौड़ी जाहिर सूचना जारी की है। इसमें पूरे विवाद को बताया गया है और साथ ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा SLP (C) ह्श. 9000/2024 में पारित अंतिम आदेश दिनांक 06/11/2025 द्वारा महालक्ष्मी धाम कॉलोनी की किसी भी अचल संपत्ति का हस्तांतरण करने, भारित करने व कब्जे का हस्तांतरण करने से दोनों पक्षों को निषेधित किया गया है। यह आदेश 24/12/2025 तक या तब तक लागू रहेगा, जब तक कि किसी एक पक्ष द्वारा आर्बिट्रेटर के पास विस्तार, बदलाव, संशोधन या रद्द करने के लिए कोई आवेदन नहीं किया जाता। साथ ही उस पर कोई दूसरा आदेश नहीं दिया जाता।

इनसे प्लॉट नहीं खरीदें, दी चेतावनी-इस सूचना में चेतावनी दी गई है कि इन आदेशों के बाद भी आकाश सचदेवा, नितिन खेमलानी, नरेश खेमलानी, केशव नाचानी और उनके द्वारा नियुक्त किए गए डायरेक्टर कंपनी के भूखंड का खरीदी-बिक्री कर रहे हैं। यह उन लोगों के साथ धोखाधड़ी है जो ये प्लॉट खरीद रहे हैं। इनसे प्लॉट खरीदने पर उन्हें कोई अधिकार नहीं मिलेगा।

कॉलोनी के विवाद को लेकर यह दी जानकारी-विवाद के बारे में बताया गया कि मंदवानी ने महालक्ष्मी धाम कॉलोनी को बनाने वाली कंपनी संतोष देवकॉम प्राइवेट लिमिटेड में अपने 87.75 प्रतिशत शेयरों में से 51 प्रतिशत शेयर बेचने का समझौता किया था।

यह करार कमल नाचानी पिता केशव नाचानी एवं अंकुश नाचानी पिता केशव नाचानी के साथ किया था। लेकिन अनुबंध का पालन न करने से मेरे पक्षकार द्वारा इसे निरस्त कर दिया गया।

बाद में इन शेयरों के संबंध में आकाश सचदेवा पिता बलराम सचदेवा से एक अनुबंध किया। किंतु उनके द्वारा भी अनुबंध का पालन नहीं किया गया।

जारी सूचना में आरोप लगाए गए कि आकाश सचदेवा, नरेश खेमलानी द्वारा केशव नाचानी ने सांठगांठ कर कंपनी में अंकुश नाचानी एवं कमल नाचानी को डायरेक्टर पद से हटाया गया।

उनके स्थान पर आकाश सचदेवा, नरेश खेमलानी एवं केशव नाचानी के प्रतिनिधि के रूप में नए डायरेक्टर्स नितिन खेमलानी, गुरूप्रसाद शुक्ला, अंतरसिंह घुमन, दिनेशचंद्र दवे एवं विजय मौर्या को नियुक्त किया गया।

इसे लेकर मंदवानी द्वारा विविध शिकायतें की गई। इस पर नगर निगम इंदौर ने 5 फरवरी 2025 को कॉलोनी विकास मंजूरी स्थगित की और भूखंड खरीदी-बिक्री रोक दी गई। साथ ही कॉलोनी का विकास करने से निषेधित किया है। रेरा द्वारा पारित आदेश दिनांक 04/10/24 द्वारा उक्त महालक्ष्मी धाम कॉलोनी (महालक्ष्मी धाम इंदौर) में अवैध रूप से भूखंड विक्रय करने पर आर्थिक दंड आरोपित किया है। साथ ही रेरा द्वारा आदेश दिनांक 24/12/24 द्वारा महालक्ष्मी धाम कॉलोनी के प्रोजेक्ट का पंजीकरण करने का आवेदन निरस्त कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।